तरुण भारत संघ

वार्षिक प्रतिवेदन

2006-2007

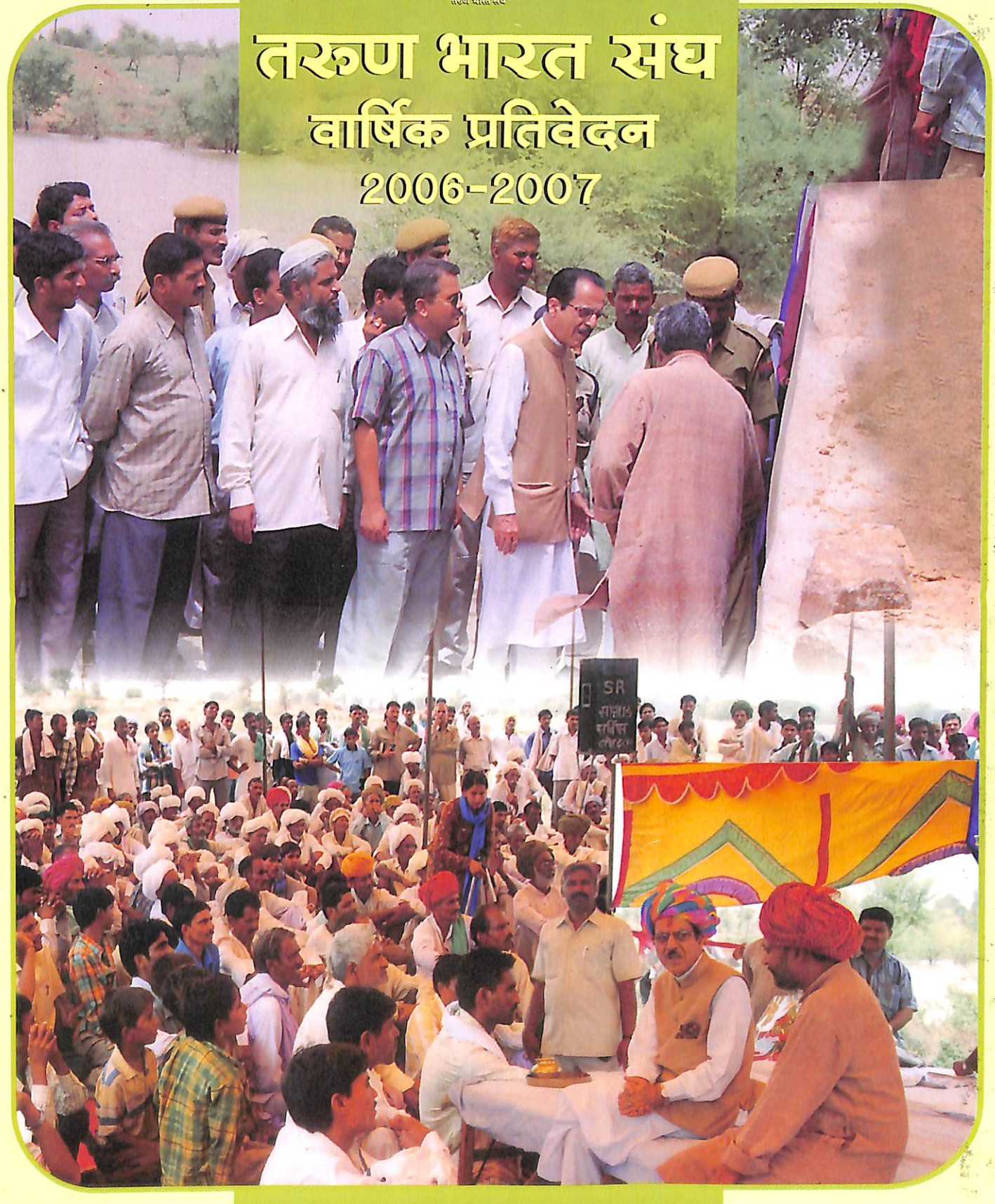

अरवरी संसद पर लिखी गई पुस्तक 'अरवरी संसद' का विमोचन

तरुण भारत संघ

प्रगति प्रतिवेदन

2006-2007

वर्ष 2006-2007 जल संरक्षण कार्य के लिए संघर्षशील वर्ष रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर भले ही तरुण भारत संघ के कार्यों और विचारों को स्वीकार किया जा रहा हो लेकिन राजस्थान सरकार जल संकट से सबसे अधिक प्रभावित होते हुए भी अनदेखा कर रही है। समस्या इतनी है कि जल संरक्षण के लिए राज्य का किसान अपनी जान देकर भी अपने पानी को बचाना चाहता है। पानी के लिए महिला, पुरुष, बालक, वृद्ध अपनी जान दे रहे हैं। सरकार उनका पानी जबरन ही उनके हाथों से छीन रही है। लोगों के गले की प्यास को कम करने के जतन के बजाय पानी के बदले बन्दूक की गोली सीने में उतारी जा रही है। गोली से छलनी-छलनी शरीर तड़फ-तड़फ कर शान्त होता है लेकिन दो बूंद पानी की नसीब नहीं होती है। यह लोक कल्याणकारी सरकार का पानी के प्रति ऐसा नजरिया है।

पिछले गत वर्षों में राज्य भर में पानी को लेकर जन आन्दोलन भड़के हैं। उन्हें शान्त करने के लिए सरकार के पास सबसे कारगर उपाय बन्दूक की गोली है। उसे ही समय-असमय इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन राज्य की बढ़ती पानी की मांग के चलते न तो कोई ठोस जलनीति बनाई जा रही है और न ही उसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं। जल संरक्षण की अपनी परम्पराओं को छोड़ दूसरे राज्यों पर निर्भरता बनाए रखना लोकहित में नजर नहीं आती है। दूसरे राज्यों की सरकार चाहे किसी भी दल से संबंधित रही हो, राजस्थान के लिए सभी ने आंख दिखाई है। जबकि राज्य का भौगोलिक दृष्टि से हक बनता है, फिर भी धमकी ही मिलती रहती है। ये सब देखते-समझते हुए भी अपने अतीत से सबक नहीं लिया है।

राज्य भर में **सेज** का भूत चढ़ा हुआ है। यह राजस्थान का ही हाल नहीं है बल्कि पूरे मुल्क में यही हाल है। सेज के कारण पश्चिमी बंगाल के **नन्दीग्राम-सिंगूर** हो या उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जनपद के गांव। सबका नजरिया एक जैसा है। हमारे देश को उद्योग चाहिए, औद्योगिक युग के बढ़ते हुए विचार के चलते अपनी जमीनी हकीकत को नजरअन्दाज नहीं कर सकते हैं। आज के औद्योगिक युग में भी 60 प्रतिशत से अधिक जनता गांवों में ही रहती है और खेती में कितना भी घाटा क्यों न रहता हो, कभी किसी से उसकी क्षति-पूर्ति की आशा भी नहीं करती। गांव की खेती के नुकसान की भरपाई बीमा कम्पनियां भी नहीं कर सकती हैं। फरवरी 2007 में किसानों की हजारों करोड़ की पकी

फसल ओले गिरने के कारण नष्ट हो गई। सरकार ने कितनी राहत दी ? जिन किसानों की फसलें नष्ट हुई हैं, उनके परिवार के गुजर-बसर के लिए क्या पर्याप्त है ? जब सरकार को अपने लिए जमीन लेनी होती है तो जमीन की मालिक सरकार बन जाती है। जनता की क्यों नहीं ? गांव के आम आदमी की क्षमताएं इतनी विकसित नहीं हुई हैं कि वह अपनी जमीन बेच कर औद्योगीकरण अपना सके। सरकार गांव की जमीन का मुआवजा देकर अपनी जिम्मेदारियों से नहीं मुकर सकती है। सरकार ने मुआवजा दे दिया बस ! अब आप जानें कहां और कैसे रहना है ? इतना भर कहने से काम नहीं चलेगा। सरकार को "सेज" के लिए जमीन अधिग्रहण करनी पड़ती है तो उसे अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाना पड़ेगा। सेज के कारण विस्थापन की प्रक्रिया को रोकना होगा। प्रभावित लोगों को रोजगार की गारण्टी देनी होगी। साथ ही ऐसी व्यवस्थाएं भी खड़ी करनी होंगी कि आने वाली पीढ़ियां भी उद्योग का लाभ उठा सकें। औद्योगीकरण का सबसे अधिक दुष्प्रभाव यह है कि स्थानीय लोग तो उजड़ते हैं, दूसरे लोग आबाद होते हैं। इतना ही नहीं इनकी व्यवस्थाएं इतनी बड़ी होती हैं कि दूर-दूर क्षेत्र तक के लोग भी प्रभावित होते हैं।

जयपुर के आसपास के क्षेत्र को ही देखें कि जयपुर के चारों ओर पचास किलोमीटर क्षेत्र में सरकार **सेज** के लिए गांवों की जमीन अधिग्रहण कर रही है। उन्हें हर संभव सहयोग देना अपना कर्तव्य मान रही है, चाहे उसे कुछ भी करना पड़े। अभी हाल में महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के द्वारा अजमेर रोड पर सेज के लिए स्ट्रेचर खड़ा करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। सरकार ने उसे पानी की आपूर्ति करने का जिम्मा स्वयं लिया है, इसके लिए मानसरोवर से उसे जलापूर्ति की जाएगी।

यह विदित हो कि 25-30 साल पहले मानसरोवर कॉलोनी को बसाने से कई गांव उजड़े थे, तब जाकर एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनी बनी थी, जिसमें आधुनिकता के सभी मानदण्ड तय किये गये थे। अब वह आबाद हुई है। कॉलोनी में अभी किसी दूसरे स्थान से पानी नहीं आता है। जब से मानसरोवर की जनता को यह मालूम हुआ है कि यहां का पानी सेज को जाएगा, तभी से कई संगठनों ने विरोध जताया है। पानी के लिए सभी एकजुट हैं। गरीब, अमीर, नेता, छोटे-बड़े व्यापारी वर्ग मिलकर अपने भविष्य के लिए चिन्तित दिखाई देते हैं। अपने-अपने तरीके से सभी वर्ग विरोध कर रहे हैं।

व्यापारी वर्ग बाजार बन्द करता है तो सामाजिक संगठन जन-जन से संपर्क करके अपने पानी को बचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। कभी रैली निकालते हैं, तो कभी मीटिंग करते हैं। पानी की चिन्ता ने सभी को अभी से संघर्ष करने के लिए तत्पर कर दिया है। मानसरोवर में बहुत से सामाजिक संगठन हैं। अपनी-अपनी तरह से सामाजिक कार्य करते हैं लेकिन पानी की चिन्ता ने सबको एक मंच पर कार्य करने के लिए मजबूर कर दिया है। सभी ने एक मत से "जल-मोर्चा" बनाया है। जल-मोर्चा मानसरोवर का पानी सेज को नहीं देने देगा, उसका एकमात्र उदेद्श्य है। चाहे पानी की रक्षा करते-करते कितने ही लोगों को अपनी कुर्बानी क्यों न देनी पड़े, पानी की एक बून्द से सस्ती ही होगी। ऐसा संकल्प जल-मोर्चा का है।

संकल्पबद्ध व्यक्ति या समाज से बड़ी-बड़ी क्रान्तियां हुई हैं, यह सब जानते हैं। इतिहास गवाह है। नन्दीग्राम की घटना ने देश के सामने **सेज** का चेहरा बेनकाब कर दिया है। देश के राष्ट्रपति व प्रधान मंत्री, वित्त मंत्री, वाणिज्य मंत्री

को अपना स्पष्टीकरण देना पड़ा था। प्रधान मंत्री जी को तो यहां तक कहना पड़ा कि देश में औद्योगीकरण की बहुत जरूरत है, लेकिन लोगों की जान पर नहीं। इसके लिए इतनी जल्दी भी नहीं है कि राज्य सरकारें जनता के हित को ध्यान में रखे बिना **सेज** जैसी योजनाओं को क्रियाविन्त करें। पं. बंगाल के मुख्य मंत्री ने नन्दीग्राम की जिम्मेदारी स्वयं स्वीकार की।

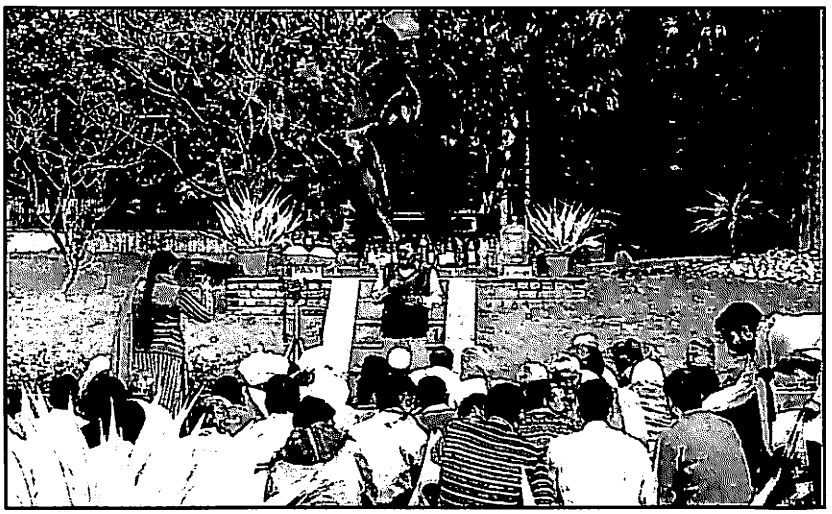

तरुण भारत संघ ने जल बिरादरी के तत्वावधान में गांधीदर्शन राजघाट, दिल्ली में 27-30 जनवरी तक 'जल जोड़ो' सम्मेलन राजघाट में आयोजित किया था, जिसमें पूरे देश के जल बिरादरी सदस्य आए थे। नन्दीग्राम बंगाल से अहमद भाई भी आए थे। उन्होंने बताया कि पं. बंगाल सरकार वैसे तो गरीब और असंगठित किसान-मजदूर की हितैषी मानी जाती रही है, उसके नेता भी अपने को गरीबों का मसीहा मानते हैं, लेकिन सेज में सभी राजनैतिक पार्टियों के नेताओं की मंशा एक ही है। हमारे गांव में सरकार ने टाटा की कम्पनी को सभी जमीन दे दी है। **सिंगूर** में ममता जी ने अनशन किया, अभी काम रुक गया है। अब कम्पनी हमारे नंदीग्राम में सेज के लिए कार्य चालू करने जा रही है। गांव में इसका विरोध है। अगर कम्पनी ने काम शुरू किया तो पूरा गांव इसका विरोध करेगा। अपनी जमीनों को बचाने के लिए हमें कितनी ही कुर्बानी क्यों न देनी पड़े, लेकिन एक इन्च जमीन नहीं जाने देंगे। यह संकल्प 30 जनवरी गांधी जी की शहादत के दिन गांधी जी की मूर्ति के समक्ष "जल जोड़ो" सम्मेलन में लिया था। देश भर से आए जल बिरादरी के सदस्यों ने अपने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर संकल्प लिया था।

नन्दीग्राम की जनता ने वही किया जैसा कि 30 जनवरी को अहमद भाई ने अपने संकल्प में बताया था। सेज का विरोध पुलिस की बंदूकें भी नहीं रोक पाई थीं। लोगों ने अपनी जमीन की रक्षा के लिए बंदूकों से निकली गोली को अपनी छाती पर झेला। गोलियों ने लोगों की छाती भले ही छलनी-छलनी कर दी हो लेकिन नन्दीगांव के लोगों का आत्मविश्वास बढ़ाने में जरूर कामयाब हुई। पुलिस ने हताशावश लोगों को भयभीत करने के लिए अन्धाधुंध गोलियां चलाकर सैकड़ों लोगों की जानें ले लीं। इससे नन्दीगांव के लोग घबराए नहीं और न ही लोगों के हौंसले पस्त हुए। आत्मविश्वास से आगे बढ़ते गए, अपनी जन्मभूमि पर जान न्यौछावर करते गये। नन्दीगांव के शहीदों ने देश की जनता का मार्गदर्शन किया है। शहर और गांव, राजनेता, औद्योगिक घरानों को एक बार तो सोचने के लिए मजबूर किया है। नन्दीग्राम के शहीदों को तरुण भारत संघ परिवार की ओर से शत् शत् नमन। नन्दीग्राम का बलिदान भारत के जल-जंगल-जमीन को बचाएगा, समाज को सचेत करेगा। सरकार के मन को बदलेगा, गांव की सत्ता गांव में रहेगी, गांवों में भारत रहेगा, सही अर्थों में ग्राम-स्वराज होगा।

❑❑❑

विकास कार्य

तरुण भारत संघ ने इस वर्ष सामाजिक विकास कार्यों में सीडा, फोर्ड फाउण्डेशन और स्वर्गीय कमला चौधरी के द्वारा दिए गए दान/सहयोग से गांव के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए विभिन्न कार्य किए हैं:

* जल संरक्षण के लिए पैरवी
* ग्रामीण विकास के कार्यक्रम
* शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम
* दस्तावेजीकरण
* मुख्य घटनाक्रम

जल संरक्षण के लिए पैरवी

राजेन्द्र सिंह (अध्यक्ष) तरुण भारत संघ द्वारा अप्रैल 2006 से मार्च 2007 तक की समयावधि में जल संरक्षण, जलनीति, नदी-जोड़ परियोजना,जल प्रदूषण और जल का निजीकरण जैसे विषयों को लेकर देश में जल साक्षरता अभियान को प्राथमिकता देते हुए जल साक्षरता का अभियान चलाया है। जल संरक्षण के लिए न्यायालय में जाने की जरूरत पड़ी तो न्यायालय की शरण में भी गए। देश के विभिन्न भागों में जाकर राजनैतिक, सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यमों से सतत जल-संवाद चलाने के भरसक प्रयास किए हैं।

केन्द्रीय सरकार के साथ संवाद - तरुण भारत संघ अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह इस वर्ष देश की बढ़ती जल-समस्या को देखते हुए कई मर्तबा जल संसाधन मंत्री प्रो. सैफुद्दीन सोज जी से मिले हैं। जून 2006 में तरुण भारत संघ का आमंत्रण स्वीकारते हुए 15 जुलाई को संस्था द्वारा किए जा रहे जल संरक्षण के कार्यों को देखने के लिए मंत्री जी कार्यक्षेत्र में आए थे। 15 जुलाई का पूरा दिन कार्यक्षेत्र के नागलदासा गांव को दिया था। दोपहर का भोजन और कुछ देर आराम भी कार्यक्षेत्र में ही किया था। मंत्री जी ने कार्य का अवलोकन करते हुए स्वयं कहा कि "मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। मैंने यहां आपके काम को देखा, आपने स्वयं अपने ही हाथों से और अपने पैसे से बनाया है। सबसे अच्छी बात है। दिल्ली में रहकर सीखने को नहीं मिलता। वहां केवल कागजों का काम होता है। जमीनी काम नहीं। जमीनी काम आपने किया है। यह बहुत बड़ा काम है।"

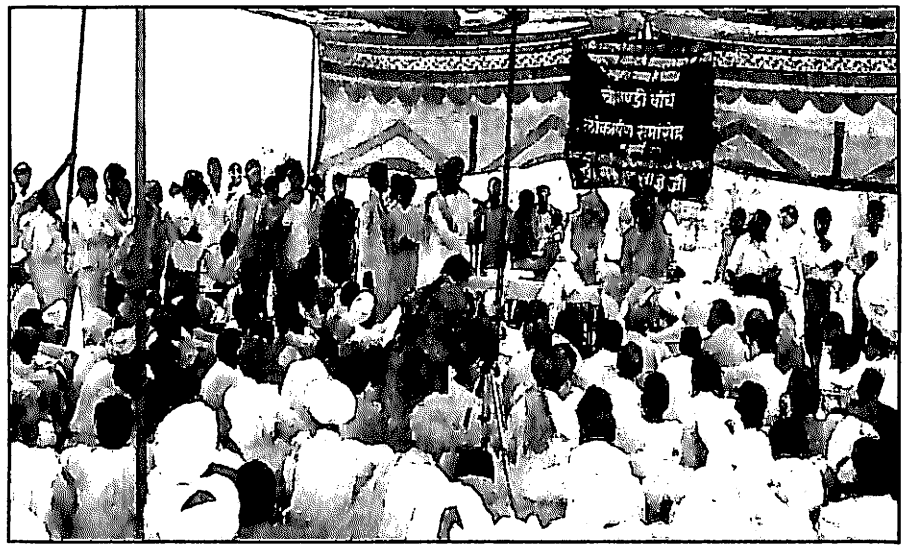

हमने पूरे देश के जल विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाई है। 30 लोगों को लिया गया है जो विभिन्न प्रकार के सुझावों से हमें अवगत करायेंगे। 22 जुलाई को दिल्ली में माननीय प्रधान मंत्री जी के साथ मीटिंग रखी गई है। उसमें राजेन्द्र सिंह भी जायेंगे, हमारे सरकारी विभाग भी अपनी–अपनी सलाह देंगे। उन सब को ध्यान में रखते हुए देश में जल संरक्षण के काम किए जायेंगे।

अगस्त 2006 में कपार्ट की स्टेरिंग कमेटी की बैठक थी। राजेन्द्र सिंह ने कपार्ट की डी.जी. श्रीमती वीणा राव के साथ जल साक्षरता पर हल्की सी चर्चा की थी। इसमें उन्होंने रुचि दिखाई। कपार्ट की मीटिंग के बाद भी उन्होंने राजेन्द्रसिंह को जल साक्षरता के विषय में विस्तार से सुना था। कपार्ट द्वारा इस कार्य में कैसे सहयोग हो सकता है ? इस विषय में भी विस्तार से चर्चाएं हुईं। राजेन्द्र सिंह ने देश की जल बिरादरी के द्वारा कार्य करने का सुझाव उनके सामने रखा। सुझाव अच्छा लगा। लेकिन कुछ काम करने की जरूरत थी। उसके लिए राजेन्द्र सिंह जी ने अपनी ओर से देश के भू-सांस्कृतिक क्षेत्रों के आधार पर श्री के.एन. जोशी जी और शैलेन्द्र सिंह के द्वारा नक्शा तैयार करवाया। प्रत्येक क्षेत्र में जल बिरादरी के सदस्यों को सूचीबद्ध किया गया और कपार्ट की डी.जी. को दिया गया। राजेन्द्र सिंह के साथ कार्य करने की योजना पर कपार्ट की डी.जी. ग्रामीण विकास मंत्रालय के मंत्री माननीय श्री रघुवंश प्रसाद जी से भी मार्गदर्शन चाहती थीं। उन्होंने राजेन्द्र सिंह के साथ मंत्री जी से बात कराई तो मंत्री जी ने कुछ सुझाव दिए। मंत्री जी के सुझावों को स्वीकारते हुए जल साक्षरता के बजाय "ग्रामीण विकास आन्दोलन" नाम रखा जिसमें जल जागरूकता का मुख्य काम रखा गया। ग्राम विकास आन्दोलन के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। इस कार्यक्रम के संचालन में क्षेत्रीय जल बिरादरी का सहयोग लेकर कार्य करना तय हुआ। कपार्ट ने अपने रीजनल ऑफिसों को नई योजना से अवगत कराया। जल बिरादरी के सदस्यों से भी सम्पर्क करने के लिए कहा गया। रीजनल ऑफिसों के क्षेत्रीय समन्वयकों ने जल बिरादरी के सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए संपर्क किया था।

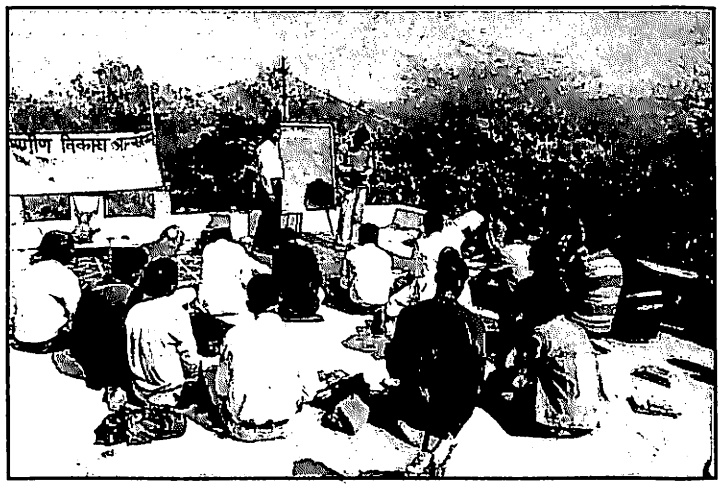

राजस्थान में तरुण भारत संघ और जल बिरादरी के सहयोग से ग्रामीण विकास अभियान को विधिवत् शुरू किया गया। रीजनल ऑफिस, जयपुर ने राजस्थान और मध्यप्रदेश में ग्रामीण विकास आन्दोलन के लिए विज्ञप्ति दी जिसमें स्वैच्छिक संस्थाओं से ग्रामीण विकास आन्दोलन के लिए परियोजनाएं मांगी गईं। दोनों प्रांतों में 365 आवेदन आए जिसमें एक सौ नब्बे संस्थाओं से आवेदन स्वीकार किए गए। जिन संस्थाओं के आवेदनों को स्वीकार किया गया, उनको ग्रामीण विकास अभियान के विषय में प्रशिक्षण तरुण भारत संघ भीकमपुरा (अलवर) में 1 फरवरी से 6 फरवरी तक दिया गया। प्रशिक्षण में राजस्थान की स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के लिए 70 संभागियों ने भाग लिया था।

ग्रामीण विकास आन्दोलन राजस्थान और मध्य प्रदेश के 15 ब्लॉकों में चलाया जा रहा है। राजस्थान से पहले चरण में आठ ब्लॉक ही लिए गए हैं। इसी प्रकार अन्य राज्यों में भी जल बिरादरी के सहयोग से ग्रामीण विकास आन्दोलन को गति दी जा रही है।

मानव संसाधन मंत्रालय के 'सर्व शिक्षा अभियान' में सलाहकार समिति में राजेन्द्र सिंह को रखा गया है, जिसमें जल संरक्षण के कार्य करने और नई पीढ़ी के लिए जल से संबन्धित जानकारी के पाठ्यक्रम के लिए अपने सुझाव दिए हैं। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, नेहरू युवा केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में राजेन्द्र सिंह ने जल साक्षरता के कार्य किए हैं। इसी प्रकार सुब्बाराव जी के कार्यक्रम में भाग लेकर जल साक्षरता अभियान का संदेश देश भर के युवाओं में पहुंचाया है। इस वर्ष वित्त मंत्री के आमंत्रण पर देश की भावी योजनाओं के लिए जल से संबन्धित बढ़ती हुई समस्याओं के समाधान के लिए वित्तमंत्री के साथ लंबी बातचीत हुई है। वित्तमंत्री ने धैर्य से सुना। कृषि मंत्रालय के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में राजेन्द्र सिंह ने जल संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कृषि नीति बनाने के लिए अपने विचार दिए हैं।

राज्य स्तर पर संवाद- राजेन्द्र सिंह ने जल संरक्षण के लिए देश में राज्य स्तर पर राजसत्ता व राजनैतिक लोगों के साथ, सरकारी तंत्र व गैर सरकारी संस्थाओं के साथ विभिन्न प्रकार के शिक्षण-प्रशिक्षण, स्कूल, विद्यालय, विश्वविद्यालय, एकेडमिक, तकनीकी और मैनेजमेंट आदि संस्थानों में जाकर जल साक्षरता का कार्य किया है।

औद्योगिक प्रतिष्ठानों व कार्पोरेट जैसे देश के बड़े-बड़े संगठन सी. आई. आई., आई .एफ. आई. एफ., इन्टरनेशनल रोटरी संगठनों के आमन्त्रणों पर राजेन्द्र सिंह द्वारा जल साक्षरता के लिए कार्य किया गया है। कार्यों का विवरण निम्नवत् है :

जल संरक्षण के लिए संगठनात्मक कार्यक्रम - इस वर्ष तरुण भारत संघ ने गांव और राष्ट्रीय स्तर पर संगठनात्मक रूप से प्रक्रिया को मजबूत करने के प्रयास तेज किये हैं। गांव, क्षेत्रीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की प्रक्रिया को मजबूत करने का काम किया है। गांव स्तर पर प्रत्येक गांव की ग्राम सभा को मजबूत करने की प्रक्रिया चलाई है। क्षेत्रीय स्तर पर छोटे-छोटे जलग्रहणों के आधार पर और भू-सांस्कृतिक क्षेत्रों के आधार पर जल संरक्षण के विषय में सोचने-समझने, लिखने-पढ़ने, समाज के बीच कार्य करने वाले लोगों को जल बिरादरी संगठन से जोड़ने का प्रयास किया है। अपने-अपने क्षेत्र में पानी की समस्याओं से जूझते हुए लोगों को सहयोग देना जल बिरादरी का महत्वपूर्ण काम है। इसके साथ-साथ राज्य और देश की जलनीति को जनोन्मुखी बनवाने के लिए, जल का निजीकरण रोकने के लिए, स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए, केन्द्र और राज्यों की सरकारों पर जनता का दबाव बनाने के लिए भी संगठनात्मक प्रक्रिया को मजबूत किया गया है। देश में जगह-जगह हो रहे कार्य संतोषप्रद हैं।

ग्रामीण विकास के कार्यक्रम

तरुण भारत संघ ने इस वर्ष गांव की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नदी घाटी क्षेत्र के अनुसार विविध प्रकार के कार्य किए हैं :

- रचनात्मक कार्य
- संगठनात्मक कार्य
- चेतनात्मक कार्य
- प्रशिक्षण कार्य
- दस्तावेजीकरण

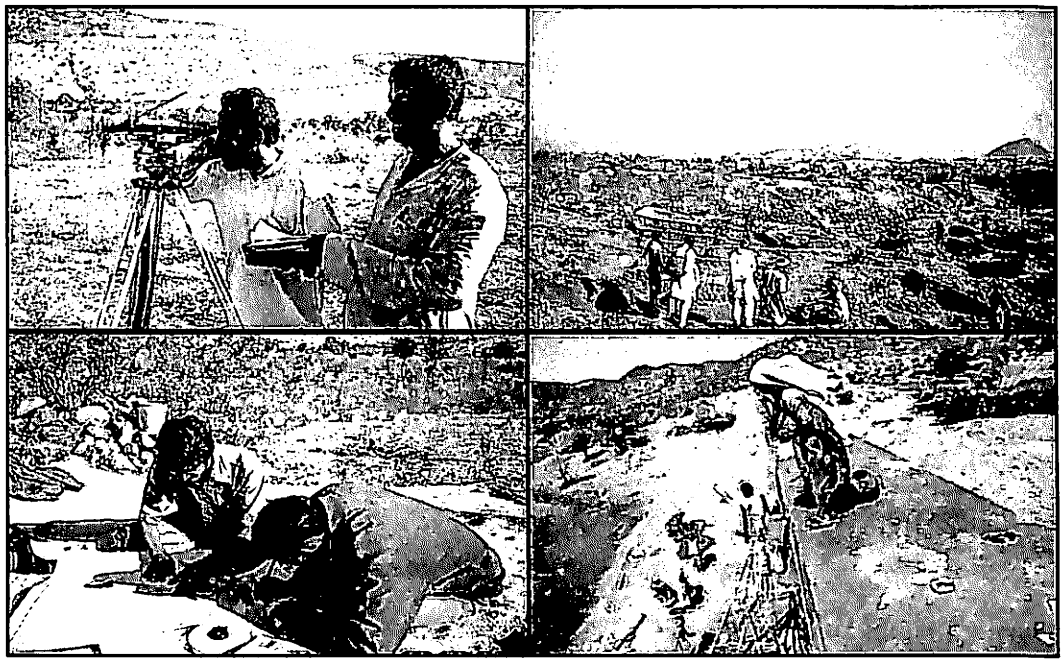

सभी कार्यों की विवरण सहित सूची संलग्न है :

क्र.स.	संस्था का नाम	गांव का नाम	तहसील-जिला	श्रमदान	संस्था द्वारा सहयोग
1.	बाबड़ीवाला ऐनीकट	सांवत्सर	थानागाजी-अलवर	5,800.00	62,810.00
2.	सिद्धसागर	कालैड़	,, - ,,	32,093.00	95,331.00
3.	कुआं निर्माण	भीकमपुरा	,, - ,,	-	94,167.00
4.	लूनेरा नाड़ी	सूरजपुरा	दूदू- जयपुर	7,559.00	15,117.00
5.	मण्ड्याली का जोहड़	राड़ा	राजगढ़- अलवर	4,562.00	10,825.00
6.	पारा वाला बांध	सांवत्सर	थानागाजी-,,	10,000.00	1,89,053.00
7.	चौखण्डी वाला ऐनीकट	नांगलदासा	राजगढ़- ,,	82,430.00	81,660.00
8.	राजा वाला बांध	कांसला	,, ,,	28,850.00	58,499.00
9.	रामगली का जोहड़	समरा	थानागाजी-अलवर	2,719.00	8,145.00
10.	नाली का नला ऐनीकट	भीकमपुरा	,, ,,	-	2,746.00
11.	काला खेत का बांध	देवरी गु.	राजगढ़- ,,	33,905.00	3,84,479.00

12.	कदम वाला बांध	देवरी गु.	राजगढ़-अलवर	-	81,680.00
13.	जालखी वाला एनीकट	लोठवास	थानागाजी-अलवर	264.00	11,625.00
14.	लांकाश का बांध	लांकाश	राजगढ़ - ,,	45,951.00	1,33,690.00
15.	हीरामल का बांध	लिल्या	,, - ,,	16,245.00	52,335.00
16.	भाण्डयाली का ऐनीकट	लेसल ब्रा.	,, - ,,	4,405.00	29,810.00
17.	खेल व कोठा नि.	सेवा	दूदू - जयपुर	5,594.00	11,322.00
18.	कुआं निर्माण	कुण्डयाल	थानागाजी-अलवर	-	83,1890.00
19.	अलाहा खेत की मेढ.	नागलबानी	,, - ,,	14,337.00	7,168.00
20.	खारयाला का जोहड़	देव का देवरा	,, - ,,	7,710.00	23,586.00
21.	सरुडा का जोहड़	सरुड़ा	,, - ,,	1,200.00	20,586.00
22.	दमका वाला जोहड़	दुहारमाला	,, - ,,	8,826.00	19,093.00
23.	सार्वजनिक प्याऊ	जटमालियर	तिजारा- अलवर	-	5,800.00
24.	घूमर वाला जोहड़	दोगढ़बामोरा	किशनगढ़- ,,	8,418.00	25,255.00
25.	बानियावाला जोहड़	कूचा	राजगढ़ - अलवर	20,000.00	33,555.00
26.	गरु सागर रीछीं बांध	गढ़बसई	थानागाजी- ,,	2,11,119.00	8,27,082.00
27.	खानाली जोहड़	कोल्याला	,, ,,	1,346.00	4,633.00
28.	ओड़ानाला का जोहड़	देव का देवरा	,, ,,	4,482.00	14,176.00
29.	बदड्यालावाला बांध	,, ,,	,, ,,	3,091.00	3,088.00
30.	सोना वाला बांध	राड़ा	राजगढ़	30,790.00	71,159.00
31.	खाड़ाला बांध	मुरलीपुरा	,, ,,	51,792.00	1,56,264.00
32.	सीतारामसरोवर बांध	भांगड़ोली	थानागाजी ,,	73,970.00	4,79,238.00
33.	रालाला बांध	हमीरपुर	,, ,,	6,480.00	20,519.00
34.	बाजोलाव बांध	बाजोलाव	मालपुरा- जयपुर	34,058.00	72,692.00
35.	ढुण्डी पाल का बांध	श्यालूता	राजगढ़-अलवर	10,380.00	28,660.00
36.	नाभाला का ऐनीकट	नांगलदासा	,, ,,	9,540.00	23,795.00
37.	ज्वार वाला बांध	सेवा का गु.	थानागाजी ,,	25,740.00	2,12,113.00
38.	आसोलाव नाड़ी	बरोल	मालपुरा- ,,	-	20,451.00
39.	अन्ना सागर बांध	तिलोनियां	किशनगढ़-अजमेर	-	7,315.00
40.	कुण्ड निर्माण	उदयनाथ	थानागाजी-अलवर	-	9,562.00
41.	बड़तलाका ऐनीकट	पंचपड़ी	,, - ,,	-	13,172.00
42.	मेहम्मदखां का बांध	सील खौं	तवडू,नूह हरियाणा	16,302.00	48,906.00

43.	चिरमठी का बांध	चिरमठी	तवडू,नूह हरियाणा	9,732.00	29,194.00
44.	हाऊ वाला ऐनीकट	बैरावास	थानागाजी-अलवर	2,160.00	4,320.00
45.	बड़ा बांध	न्याणा	तिजारा- अलवर	5,625.00	19,250.00
46.	मेंढ़बंदी	कुण्डयाल	थानागाजी-,,	-	2,010.00
47.	नाले का ऐनीकट	किशोरी	,, ,,	-	2,508.00
48.	छाकराला बांध	नाटाटा	,, ,,	22,361.00	67,246.00
49.	चांदाला बांध	कालैड़	,, ,,	19,072.00	19,073.00
50.	चोड्या की तलाई	लोठवास	,, ,,	7,113.00	22,710.00
51.	खीरकी का ऐनीकट	खड़ाटा	,, ,,	18,800.00	1,11,813.00
52.	खार की तलाई	लोठवास	,, ,,	1,495.00	4,579.00
53.	कोल्याली जोहड़ी	भूरियावास	,, ,,	4,917.00	14,736.00
54.	दरोगाला ऐनीकट	दरोगाला	राजगढ़- ,,	-	19,600.00
55.	ओडीनली का जोहड़	जैतपुर गु.	,, ,,	12,382.00	29,183.00
56.	मंसा सागर	गढ़ बसई	थानागाजी-,,	-	46,613.00
57.	हजारा का जोहड़	धोलाराड़ा	राजगढ़ - ,,	7,000.00	21,994.00
58.	काण्या की जोहड़	गढ़बसई	थानागाजी-,,	-	21,730.00
59.	भौरेलाल मीणा का ऐ.	कांसला	राजगढ़- ,,	3,660.00	19,460.00
60.	मालियों का जोहड़	कालैड़	थानागाजी-अलवर	4,181.00	12,552.00
61.	बिछाली का ऐनीकट	दरोगाला	राजगढ़- ,,	17,100.00	1,35,526.00
62.	नांगल चंदेल का बांध	नांगल चन्देल	,, ,,	75,000.00	3,17,032.00
63.	छतरी वाला जोहड़	खारेड़ा	मालाखेड़ा-अलवर	1,35,878.00	2,95,049.00
64.	बीड़ वाला जोहड़	कुण्डला	राजगढ़-अलवर	8,000.00	40,356.00
65.	सिद्ध सागर	बिरमकी	सपोटरा-करौली	7,077.00	35,453.00
66.	चारदीवारी निर्माण	भांवता	थानागाजी-अलवर	10,740.00	37,059.00
67.	महादेव वाला जोहड़	राड़ी	राजगढ़-अलवर	3,988.00	26,383.00
68.	क्यारड़ा का जोहड़	राड़ा	,, ,,	3,542.00	8,764.00
69.	भोज्याली की जोहड़ी	डूमोली	थानागाजी-,,	13,814.00	42,357.00
70.	चौकाला का ऐनीकट	कालैड़	,, ,,	11,600.00	38,964.00
71.	दद्यावन का ऐनीकट	जोगीवाला	राजगढ़-अलवर	21,624.00	74,120.00
72.	भौमियोंबाबा का बांध	कुण्डला	राजगढ़-अलवर	15,000.00	1,46,304.00
73.	बांध निर्माण	खानपुर-मेवात	किशनगढ़-अलवर	21,326.00	30,000.00

74.	बाबा का नाड़ी	देशमां	मालपुरा-टोंक	6,809.00	13,801.00
75.	झीलमील बांध	भीमगढ़	टोडारायसिहं टोंक	87,000.00	1,00,000.00
76.	मोड़ा में दहवाला ऐ.	राड़ा	राजगढ़-अलवर	-	34,200.00
77.	सुगन सागर	घेवर	,, ,,	17,568.00	53,426.00
78.	ठेकड़ा के नीचे कालीजोह.	मुरलीपुरा	,, ,,	20,528.00	41,056.00
79.	ओंडानला का जो.	,,	,, ,,	20,752.00	62,257.00
80.	रामप्रसाद शर्मा	गोविन्दपुरा	,, ,,	-	5,880.00
81.	पाटोल वाला बांध	कुण्ड्याल	थानागाजी ,,	-	36,565.00
82.	ऊपराला बांध	,,	,, ,,	-	19,371.00
83.	बाबड़ी वाला बांध	,,	,, ,,	-	17,130.00
84.	मेंढ़बंधी, जोहड़ीके	,,	,, ,,	-	5,841.00
85.	,, कुआं वाली	,,	,, ,,	-	6,231.00
86.	बीच वाला बांध	,,	,, ,,	-	21,065.00
87.	बनियाखेत की मेंढ़बंदी	,,	,, ,,	-	3,452.00
88.	अल्हापुर का बांध	,,	तिजारा ,,	12,745.00	25,491.00
89.	हरसहाय का ऐनी.	कोल्याला	थानागाजी ,,	-	6,450.00
90.	बालू का खोला बांध	ढाकपुरी	तिजारा ,,	38,852.00	77,704.00
91.	मेंढ़बंदी	निमली	,, ,,	-	82,125.00
92.	तेलियों वाला जोहड़	डौला	बागपत -उ.प्र.	-	2,27,125.00
93.	हाथियों वाला जोहड़	,,	,, ,,	-	38,139.00
94.	हरिजनों वाला जोहड़	,,	,, ,,	-	2,090.00
95.	चूड़ो वाला जोहड़	,,	,, ,,	-	2,830.00
96.	जोहड़निर्माण वास्ते पाइप	,,	,, ,,	-	51,315.00
97.	धानकोंवाला जोहड़	,,	,, ,,	-	12,950.00
98.	भोमियोंवाला जोहड़	,,	,, ,,	-	35,270.00
99.	टिटू वाला जोहड़	,,	,, ,,	-	18,139.00
100.	बोहरा का ऐनीकट	किशोरी	थानागाजी-अलवर	-	3,720.00
101.	शैतानसिहं का ऐनीकट	नागलबानी	,, ,,	-	7,610.00
102.	पीली जोहड़	गोपालपुरा	,, ,,	-	10,051.00
103.	खानाली का ऐनीकट	समरारामदास	,, ,,	-	4,650.00
104.	रामकरण का ऐनीकट	समराटगरया	,, ,,	-	4,650.00
105.	बीड़ का ऐनीकट	सांवत्सर	,, ,,	-	5,580.00

संगठनात्मक कार्य – इस वर्ष पूरे कार्यक्षेत्र में ग्रामीण विकास की प्रक्रिया को सतत चालू रखने के लिए ग्राम इकाई में संगठन को मजबूत करना और नई जानकारी देना। संगठनात्मक कार्य किए गए हैं।

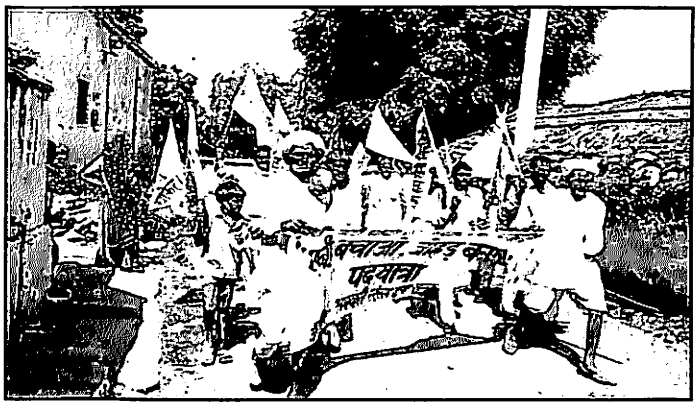

ग्राम सभा की बैठकः– जहाजवाली नदी, भगाणी तिलदेह, सरसा, रूपारेल, अरवरी नदी घाटी की ग्राम सभाओं को नियत तिथियों में गांव के प्राकृतिक संसाधनों के विकास के लिए बैठकें आयोजित की गई थी।

जल समितियों की बैठक व गठनः– तरुण भारत संघ और ग्राम सभा द्वारा किए गये जल प्रबन्धन के काम को सुरक्षित व देखरेख के लिए प्रत्येक गांव में किए गए जल संरक्षण के अलग-अलग कार्य के लिए छोटी-छोटी समितियां बनाई गई हैं। ये समितियां पांचों नदी घाटी क्षेत्र में बनाई हैं।

वन प्रबन्धन समिति की बैठक व पंजीयन – इस वर्ष सरिस्का के आसपास व अन्दर बसे गांवों में जंगल की सुरक्षा के लिए गांव में वन समितियों का गठन किया गया। जंगलात विभाग के नियमानुसार रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में वन सुरक्षा समितियां बनाई गईं। समितियों ने अपने-अपने गांव में बहुत अच्छा काम किया है। 3.2.07 को राडा क्षेत्र में बाहर से आए शिकारी कुत्तों के साथ सांभरों के पीछे भाग रहे थे। गांव वालों ने शिकारियों को पकड़कर टहला रैंज के कैटल गार्ड महेन्द्र सिंह के सुपुर्द किया। शिकारियों को अभयारण्य से बाहर ले जाकर छोड़ा गया तथा दण्ड स्वरूप जो राशि वसूली गई, वह राड़ा ग्राम सभा को दी गई।

सरिस्का के विस्थापितों के लिए कार्य – संस्था ने सरिस्का के विस्थापित लोगों के विस्थापन की प्रक्रिया में पूर्ण सतर्क रहकर कार्य किया है। विस्थापन के पहले चरण में चार गांवों को लिया गया है (भगाणी, पीला पानी, कांकवाड़ी, क्रासका) इनमें भी प्रथम भगाणी गांव वालों को विस्थापित किया जा रहा है, बड़ोद की रूंध जो अलवर रोड पर, बहरोड से मात्र चार किमी दूर है। बहुत ही अच्छी जमीन है। बिजली-पानी की सुविधा भी दी जा रही है।

आवासीय और पशुओं के लिए भी सुविधाएं दी जा रही हैं। रूंध की साफ-सफाई और समतलीकरण करके जमीन की पैमाइश करके 120 व्यक्तियों में विभाजित कर दी गई है। 21 वर्ष के युवा को एक परिवार इकाई माना गया है। जिलाधीश अलवर और जंगलात विभाग के अधिकारियों के साथ तथा संबन्धित अन्य विभागों के साथ अक्टूबर से मार्च तक तीन बैठकें हुई हैं। जिलाधीश अलवर विस्थापन कार्य में विशेष रुचि ले रहे हैं। विस्थापन के कार्य को देखने

और सुझाव देने के लिए एक विशेष कमेटी गठित की गई है, जिसमें तरुण भारत संघ की भूमिका विशेष है। विस्थापन की पूरी प्रक्रिया में संस्था के सुझावों को स्वीकारा जाता है।

आशा यही की जा रही है कि देश में अभी तक के विस्थापित विवादों को देखते हुए यह सबसे अच्छी और सुलझी विस्थापन की प्रक्रिया होगी। सरिस्का से पूर्व में भी करणा का वास गांव को अजबगढ़ में बान्दीपुल और सीरावास में बसाया गया था लेकिन उन्हें 35 वर्षों के बाद भी जमीन नहीं मिली है। सरिस्का से निकलने के बाद कुछ परिवार सरिस्का के आसपास बसे हुए हैं। उनका मुख्य काम जंगल काट कर गुजर करना है। यह इतिहास दुबारा न दोहराया जाए, ऐसा सोच कर विस्थापन की प्रक्रिया को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। तरुण भारत संघ के सदस्य श्री जगदीश प्रसाद गुर्जर इस प्रक्रिया को देख रहे हैं। संस्था के कार्यकर्ता भी सहयोगी के रूप में कार्यरत हैं। पूर्व वन एवं वन्यजीव प्रतिपालक एवं संरक्षक श्री वी.डी. शर्मा जी का मार्गदर्शन संस्था को सदैव मिलता रहता है।

सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य में क्षेत्रीय राजनैतिक दखलंदाजी के कारण 24 अगस्त 2006 को टहला रेंज आफिस को जला दिया गया। गेट को तोड़ा गया। कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। यह सब सत्ताधारी राजनेताओं के इशारे पर ही हुआ। इस वर्ष सरिस्का वनकर्मियों ने भर्तृहरि के लिए जाने वाले श्रद्धालु यात्रियों को सरिस्का के अन्दर जाने से रोका। यह सब सरिस्का से बाघ के लुप्त होने के कारण रोक लगानी शुरू की थी। लेकिन वन्य जीवों की सुरक्षा में हर प्रकार से राजनैतिक लोगों के हस्तक्षेप के कारण एक बड़ी घटना घटित हो गई। पूरा सरकारी तंत्र देखता रहा। क्षेत्रीय और सत्ताधारी नेता सरिस्का की सुरक्षा को देखते हुए भविष्य के लिए एक बड़ा प्रश्न छोड़ गए।

चेतनात्मक कार्य - तरुण भारत संघ ने अलवर के कार्यक्षेत्र में थानागाजी, राजगढ़, किशनगढ़बास, तिजारा में जल-संरक्षण के लिए विभिन्न प्रकार के जन चेतना कार्य किए हैं। थानागाजी में 'पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ' पदयात्रा और 'जोहड़ बनाओ-पानी बचाओ, पदयात्रा का आयोजन किया। राजगढ़ में भी सरिस्का के आस-पास के गांव में 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ' पदयात्रा की गई तो तिजारा जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए और शराब की फैक्टरियों के विरोध में गांव व शहरों में पदयात्राएं की गईं। शिविर, सम्मेलन भी आयोजित किए गए।

अरवरी संसद सदस्यों का प्रशिक्षण कार्य - जल संरक्षण के कार्यों को गति देने और भविष्य में गांव का स्वामित्व बरकरार रखने के लिए गांव की युवा पीढ़ी में गांव के लिए प्राकृतिक संसाधन विकसित हों, ऐसे प्रयास किये जा रहे हैं। अरवरी जल सांसदों का प्रशिक्षण अरवरी नदी क्षेत्र के कलेस्टरवाइज सांसदों का प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया तथा अरवरी के अलावा उदयपुर के आदिवासी क्षेत्रों में भी कार्य करने वाले युवाओं को क्षमताबृद्धि प्रशिक्षण दिया गया।

दस्तावेजीकरण - अरवरी क्षेत्र के जल संरक्षण कार्य की भराव क्षमता व जल ग्रहण क्षेत्र निकालने का कार्य किया, प्रत्येक साइड की फोटोग्राफी की गई। अरवरी क्षेत्र के अलावा भी दूसरे क्षेत्रों में दस्तावेजीकरण के कार्य किए गए। पांच गांवों के विषय में लिखने का कार्य शुरू किया गया है।

अरवरी संसद

क्र.	गांव स्थान	दिनांक	संभागी	विशेष
1.	भांवता-कोल्याला, भैंरू जी बाबा का मन्दिर	25-26 अगस्त	60	अरवरी संसद को मजबूत करने तथा नये सांसदों को जोड़ने और उनका प्रशिक्षण देना मुख्य उददेश्य था।
2.	पलासाना,सज्जनाथ जी कुण्ड पर	29-30 अगस्त		,, ,,
3.	पुरया का गुवाड़ा स्कूल पर	2-3 सितंबर	50	,, ,,

4 सितंबर को उड़ीसा से आए पर्यटन मंत्री श्री देवी प्रसाद मिश्रा जी को सांवत्सर में पाराला बांध, काली पाल, बाबड़ी वाला ऐनीकट पर हुए वाटर रिचार्ज कार्य को दिखाया। मंत्री जी ने यहां के काम से प्रसन्न होकर ग्राम सभा को 500 रु. सम्मान हेतु दिए, उनके साथ थानागाजी एस.डी.एम., तहसीलदार, नायब तहसीलदार भी तरुण भारत संघ आए, भोजन करने के बाद गए थे।

तिब्बत के मनोनीत प्रधान मंत्री रिंगपोंचे 13 फरवरी को तरुण भारत संघ कार्यक्षेत्र में आए। उन्होंने क्षेत्र में किए गांव के सहयोग से जल, जंगल, जमीन के कार्यों को देखा-समझा। पहले सांवत्सर गांव के कार्य देखे और ग्रामीणों के साथ कुछ बातचीत की तथा तरुण भारत संघ में क्षेत्र से आए ग्राम सभाओं के सदस्यों के साथ विस्तृत बातचीत हुई। गांव के विकास कार्य को अध्यात्म से जोड़ते हुए जीवन के पूरे परिदृष्य में देखते हुए सारगर्भित दृष्टान्त दिए।

2 अक्टूबर 06 को तरुण भारत संघ में ग्राम सभा सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था कार्यक्षेत्र से लगभग 500 ग्रामीण जनों ने सम्मेलन में भाग लिया था। ग्रामीणों ने अपने-अपने क्षेत्र में किए गए कार्यों का प्रस्तुतीकरण सबके सामने किया था। कुछ मेहमान भी आए थे। अलवर से श्री शांतिस्वरूप डाटा, श्री सुरेश पण्डित, जयपुर विकेन्द्रीय भू-जल बोर्ड के निदेशक श्री के.पी. सिंह व उनके साथीगण। ग्वालियर से आई. एफ.एस. के छात्र तथा अरवरी संसद सदस्य आए थे। इस अवसर पर तरुण भारत संघ के उपाध्यक्ष श्री गुरुदास अग्रवाल जी ने 'अरवरी संसद' पर अरुण तिवारी द्वारा संपादित 'अरवरी संसद' पुस्तक का विमोचन किया। अरवरी संसद के उपस्थति सदस्यों को अरवरी संसद पुस्तक भेंट स्वरूप दी गई। सभी ने अपने काम पर छपी पुस्तक को देखा-पढ़ा, बहुत ही प्रसन्नचित्त दिखाई दे रहे थे। 'अरवरी संसद' पुस्तक का विमोचन देश में सौ जगह से कराने की जिम्मेदारी राजेन्द्र सिंह को सौंपी गई।

अरवरी अधिवेशन - 6-7 जून 2006 अरवरी संसद का 16वां अधिवेशन भीकमपुरा तरुण भारत संघ के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में नये चुने गये सांसदों को नियमित करने और अरवरी के जलग्रहण संगठन के विषय में लोगों को जानकारी दी गई। 17वां अधिवेशन 30-31 दिसम्बर 2006 को अरवरी के किनारे भूतेश्वर मंदिर पर संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में मुख्यतः गांव में जंगल कटाई को लेकर गांव में बढ़ते मतभेदों को दूर करने की चर्चाएं प्रभावी रहीं। गांव में जो लोग जंगल कटाई में लगे थे, उन्हें पाबन्द किया गया और क्षेत्र में बढ़ती बोरिंग प्रवृत्ति को भी कम करने के लिए वातावरण बनाने का काम चालू किया गया। अपने-अपने गांव की जिम्मेदारी ली गई। गांव में बढ़ती जमीन की कीमत से किसानों के हाथों से जमीनें जा रही हैं, इस प्रवृत्ति को रोकना आज की सबसे बड़ी चुनौती है। अरवरी संसद में गंभीरता से चिंतन हुआ।

अरवरी नदी जलग्रहण क्षेत्र में बनी जल संरक्षण संरचनाओं का वैज्ञानिकता के आधार पर अध्ययन कराया गया है। अप्रैल व मई माह में अरवरी नदी क्षेत्र के गांवों का सर्वे फार्म, गांवों की स्थिति व वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर तुलनात्मक अध्ययन हेतु व तरुण भारत संघ द्वारा किए गए रचनात्मक कार्यों की जी.पी.एस. से लोकेशन व लंबाई, चौड़ाई, उंचाई तथा भराव क्षेत्र व जल ग्रहण क्षेत्र निकालने का काम किया।

शिक्षण-प्रशिक्षण

तरुण भारत संघ में ग्रामीण विकास के कार्य को देखने-समझने और कुछ करने की जिज्ञासा लिए लोग आते हैं। उनमें हर स्तर के लोग होते हैं। गांव के किसान, युवा, स्वैच्छिक संस्थानों के प्रतिनिधि, शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों से आने वाले छात्र और आदिवासी, गरीब, युवा और मजदूर वर्ग के लोग भी आते हैं। देश के दूसरे इलाकों से आने वाले या विदेशी छात्र हों, प्रशिक्षण कार्य छात्रों की रुचि के अनुसार दिया जाता है।

शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों से आने वाले - संस्था में इस वर्ष विभिन्न संस्थानों से विद्यार्थी और शोधार्थी आए हैं। उन्होंने अपने-अपने विषय चुन कर संस्था परिसर में रहकर संस्था के पदाधिकारियों से, कार्यकर्ताओं से और संस्था

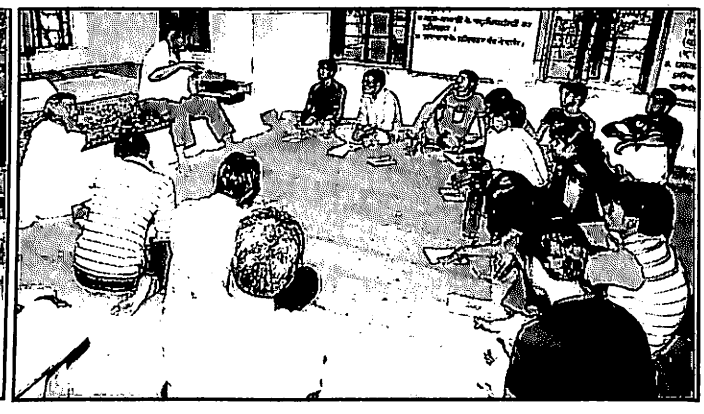

में आए संदर्भ व्यक्तियों के द्वारा मार्गदर्शन कराया है। कार्यक्षेत्र में ग्रामीणों के बीच में रह कर कार्य देखे हैं, समझे हैं और ग्रामीणों के साथ समय-समय पर चर्चाएं की जाती रही हैं ।

स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को ग्रामीण अंचलों में कार्य के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, गांव की समस्याओं के समाधान के लिए मार्गदर्शन करना। उन्हें अनुदात्री संस्थाओं से संपर्क कराना, अधिकारियों और नेताओं से नीतिगत मुद्दों पर चर्चाएं करना, गांव व क्षेत्रीय स्तर पर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, संवर्द्धन हेतु सामूहिक प्रयास करने की भावना पैदा करना आदि जिससे स्वैच्छिक संस्थाओं के कार्य को दिशा मिले और उनके कार्य को गति मिले, ऐसा प्रयास संस्थाओं के साथ रहा है।

ग्रामीण युवाओं के प्रशिक्षण की व्यवस्था संस्था स्वयं उठाती है। उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण देकर गांव में कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के साथ जुड़कर समाज में कार्य करने का मौका मिलता है। अपने गांव की मूल समस्याओं का ज्ञान होता है। समस्याओं को पहचानना और उसके समाधान के लिए सदैव प्रयत्नशीन रहना ही प्रशिक्षण की भावना है। ग्रामीण युवाओं को संस्था के वरिष्ठ कार्यकर्ता बिना किसी भेदभाव के साथ में रखते हुए बहुत ही सादगी-पूर्ण सरल तरीकों के द्वारा प्रशिक्षण देते हैं। सामान्य पढ़ा-लिखा आदिवासी ग्रामीण युवा भी सहज रूप से अपने काम की बातें सरल तरीके से सीख लेता है। अपने गांव के काम को बढ़ाने के लिए वह आगे आता है तो अच्छा लगता है। उदयपुर क्षेत्र के आदिवासी अपने गांव में प्रशिक्षण प्राप्त करके ग्राम विकास कार्यों में प्रयासरत हैं।

तरुण भारत संघ के कार्यों का मूल्यांकन - अनुदात्री संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने स्तर से परियोजनाओं का मूल्यांकन किया है। सीडा द्वारा संचालित परियोजना का तीन स्तरों पर मूल्यांकन किया गया। 1. परियोजना का लेखा निरीक्षण 2. सीडा के प्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र भ्रमण 3. सीडा द्वारा स्वतंत्र रूप से विशेषज्ञ नियुक्त करके।

परियोजना का लेखा निरीक्षण - सीडा ने अपनी परियोजना के लेखा संबन्धी मूल्यांकन के लिए दिल्ली की ठाकुर नाथ एण्ड कम्पनी को नियुक्त किया था, जिसके तीन प्रतिनिधियों ने 6 नवम्बर से 9 नवम्बर तक संस्था में रह कर वर्ष 2003-04 से 2005-2006 तक तीन वर्ष के लेखों को देखा, समझा। वैसे तो संस्था के लेखे प्रति वर्ष अशोक एण्ड एसोसिएट, जयपुर द्वारा जांचे जाते हैं। जांचे गए लेखों की प्रति अनुदात्री संस्था को भेज दी जाती है। लेकिन अनुदात्री अपनी परियोजना के लिए स्वतंत्र लेखा निरीक्षक नियुक्त कर सकती है। इसमें संस्था को कभी भी आपत्ति नहीं होती है। संस्था के लेखा विभाग के कार्यकर्ताओं ने लेखा निरीक्षकों को पूरा सहयोग दिया था।

सीडा के प्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र भ्रमण - सीडा के काउंसलर हैड श्री कार्ल गुस्ताफ सविन्सन व परियोजना प्रोग्राम प्रबन्धक श्री रमेश मुक्कला ने 26 नवम्बर से 28 नवम्बर 2006 तक तरुण भारत संघ द्वारा परियोजना के अन्तर्गत कार्यों को ग्रामीण अंचलों में जा-जा कर देखा, समझा और लोगों के बीच जाकर उनकी बात को सुना। ग्रामीणों के परिश्रम की प्रशंसा की। 26 नवम्बर को माण्डलवास और राड़ा गांव के कार्य देखे। मांडलवास गांव में भैंरू बाबा का बांध में जमा जल राशि को देख कर सीडा के प्रतिनिधि खुश थे। गांव की कार्यपद्धति को गांव के लोगों से समझा। इस मौके पर सरिस्का के सी.सी. एफ. श्री सोमशेखर जी भी मौजूद थे। उन्होंने भी सरिस्का के विषय में लोगों को जानकारी दी। माण्डलवास के काम देखने के बाद राड़ा गांव के कार्य देखने गये। अंधेरा हो चुका था। गांव में एक जवान महिला की मौत होने के कारण बिना किसी औपचारिकता के कार्य देख कर देर रात को राड़ा गांव से ही वापिस होना पड़ा। रात्रि होने पर देवरी गांव के कार्यक्रम छोड़ दिए थे। 27 नवम्बर को अरवरी जल ग्रहण क्षेत्र में गये सांवत्सर और कालैड़ के काम देखे। सांवत्सर में पानी के रिचार्ज की प्रक्रिया को प्राकृतिक रूप में प्रत्यक्ष देख कर सीडा के प्रतिनिधि बहुत प्रभावित हुए। कालैड़ में सिद्ध सागर देखा। यह अरवरी नदी पर अलवर जिले का अन्तिम गांव है। अरवरी के ही किनारे अरवरी सांसदों के साथ बैठक की गई। तरुण भारत संघ के नए केन्द्र कुण्डला अजबगढ़ में भोजन किया और देवरी के कार्य देखने चले गए, रास्ता काफी लम्बा था फिर भी सीडा के प्रतिनिधि गए। देवरी गांव के लिए सड़क की कोई व्यवस्था नहीं है। बहुत ही दुर्गम रास्ता है। ऐसे क्षेत्र में कार्य करना सीडा के प्रतिनिधियों को अच्छा लगा। चाहे रास्ते के कारण उन्हें कितनी भी परेशानी क्यों न हुई हो परन्तु देवरी के काम और लोगों से बातचीत करके खुश थे।

28 नवंबर को तरुण भारत संघ में संस्था के कार्यकर्ता और राजस्थान जल बिरादरी के सदस्यों के साथ मीटिंग की गई, जिसमें राजस्थान जल बिरादरी के अध्यक्ष श्री एम.एस. राठौर ने राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में विस्तार से बताया। राजस्थान के अन्य भागों से आए जल बिरादरी के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र में पानी की समस्या और समाधान के लिए किए गए कार्यों के विषय में समझाया। सीडा परियोजना में तरुण भारत संघ के द्वारा कराये गए कार्यों की भी जानकारी दी और उससे लाभान्वित समाज के विषय में भी बताया। चार घंटे की चर्चा में विस्तृत जानकारियों का आदान-प्रदान हुआ। भोजन और चाय के बाद वी.आर.सी. सेंटर और तरुण जल विद्यापीठ का उद्घाटन किया। उसके बाद लाहा का वास में फुटा वाला बांध का लोकार्पण करते हुए आप-पास के गांव के प्रतिनिधियों से कुछ बातचीत करते हुए और बांध की पाल पर घूमते हुए कार्य का अवलोकन किया। सबके लिए अच्छा लगा। उसके बाद अतिथि दिल्ली चले गए।

सीडा ने अपनी ओर से स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन कराने के लिए दमन सिंह को नियुक्त किया था। दमन सिंह माननीय प्रधान मंत्री जी की पुत्री हैं। उन्हें विशेष सुरक्षा व्यवस्था में रहना पड़ता है। दिल्ली से बाहर कहीं जाती हैं तो सुरक्षा के विशेष इन्तजाम करने होते हैं। इसी वजह से दमन सिंह पिछले एक साल से इस कार्य को टाल रही थीं। तरुण भारत में कब और कैसे जाया जाए ? आखिरकार उन्होंने अपनी पूरी मन:स्थति बना कर निर्णय कर लिया कि दिसम्बर के प्रथम

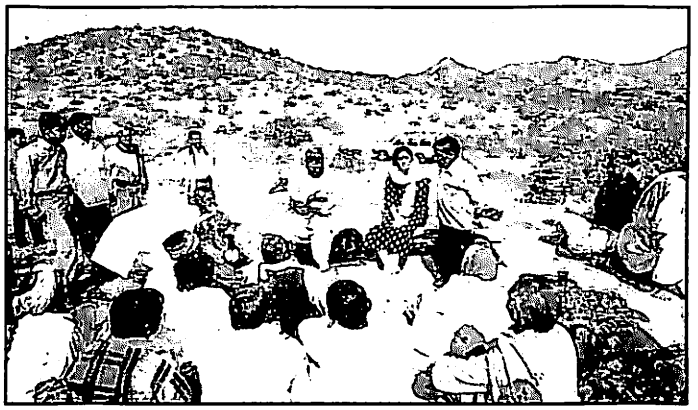

सप्ताह में भीकमपुरा में जाना है। इसलिए 28 नवम्बर 2006 को दमन सिंह की सुरक्षा व्यवस्था के संदर्भ प्रभारी के. प्रभात नायर जी ने टेलीफोन से बात की थी।

दमन सिंह 2 दिसम्बर से 6 दिसम्बर तक के लिए लिए आ रही थीं। नायर जी 29 नवम्बर को ही तरुण भारत संघ में आ गये थे। 30 नवम्बर को सुबह अलवर प्रशासन के अधिकारीगण भी आ गये थे। उनके साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दो-तीन घंटे बातचीत हुई और तरुण आश्रम परिसर की सुरक्षा की दृष्टि से मौका मुआयना किया गया। सब व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी अलवर प्रशासन को दी गई। नायर साहब दिल्ली चले गए, उनके साथी आश्रम में ही रहे और दूसरे साथी भी दिल्ली से एक दिसम्बर को सुबह भीकमपुरा पहुंच गये थे।

अलवर प्रशासन के अधिकारी व सुरक्षा बल भी पहुंच गया था। सुरक्षा बलों ने अपने तौर-तरीके से तरुण भारत संघ को अपने कब्जे में कर लिया था। संस्था के कार्यकर्ताओं को भी गुलाबी रंग के पास जारी किये गये थे। संस्था के कार्यकर्ताओं के पते सहित नामों की सूची सुरक्षा अधिकारियों को दी गई थी। संस्था के व्यवस्थापक और सी.आई.डी. के अधिकारी मनोज कुमार सोनी के संयुक्त हस्ताक्षरों से परिचय-कार्ड दिये गये।

दो दिसम्बर दोपहर को दमन सिंह का कार्यक्रम गढ़बसई में रखा गया। गढ़बसई में सुरक्षा की व्यवस्था को देखते हुए बल तैनात कर दिया गया था। सही समय पर पहुंच कर गढ़बसई के काम देखे और लोगों से बातें सुनीं-समझीं। गांववासियों ने अपने गांव की ओर से दमन सिंह का स्वागत किया। दो बजे के आसपास दमन सिंह तरुण भारत संघ पहुंची थीं। दोपहर का भोजन करने के बाद कुछ देर आराम किया और शाम चार बजे के आसपास गोपालपुरा गांव में कार्य देखने के लिए चली गई थीं। गांव के लोगों ने अपने काम को दिखाया और बातचीत भी की। आश्रम में आई चाय ली और आश्रम में घूमकर देखा। अलवर एस.पी. भी संस्था में आए, व्यवस्थाएं देखीं और दमन सिंह से मिले।

तीन दिसम्बर को अरवरी क्षेत्र के भांवता, डूमोली, खाराटा गांव के काम देखे-समझे। महिला-पुरुषों से बातचीत की, सभी को अच्छा लगा। दोनों गांव के काम देखने के लिए दमन सिंह को बहुत पैदल चलना पड़ा था। फिर भी उनके चेहरे पर शिकन नहीं थी। सभी सुरक्षाकर्मी भी उनकी सुरक्षा करते हुए पैदल चल रहे थे। शायद इस प्रकार से सुरक्षा व्यवस्था करने का पहला अवसर उन्हें मिला हो।

4 दिसम्बर को सरसा, भगाणी-तिलदेह, नदी क्षेत्रों के गांव नागलदासा, माण्डलवास में जाकर कार्यों को देख खुश थी। 5 दिसम्बर को सरिस्का के कार्यों को देखा-समझा और सरिस्का के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सरिस्का के संरक्षण को लेकर अच्छी चर्चा हुई। हनुमान मंदिर और पाण्डुपोल देखा। रास्ते में जंगलात विभाग की चौकी पर गये, कुछ देर रुके। वहां बघेरे ने नील गाय के बच्चे का शिकार किया था। शिकार हुए बच्चे की करुण आवाजें सुनाई दे रही थीं। हम सब बिना किसी आहट के बिल्कुल शांत वातावरण में देखने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन दिखाई नहीं दिया था।

भय मिश्रित आनन्द का अनुभव अच्छा लगा। वापिस भीकमपुरा आ गये थे। शाम 5 बजे से 7 बजे तक दो घंटे कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग हुई। जल संरक्षण, जंगल संरक्षण, सरिस्का संरक्षण और सरिस्का के विस्थापन के विषय में बातचीत हुई। अरवरी संसद को मजबूती देने और सक्रियता को बनाए रखने के लिए क्या उपाय हो सकते हैं ? इसी प्रकार जल बिरादरी के विषय में भी बातचीत हुई थी। इस मीटिंग में राजेन्द्र सिंह, कन्हैयालाल, जगदीश गुर्जर, गोपाल सिंह, श्रवण शर्मा, छोटेलाल मीणा, सतेन्द्र सिंह, देवयानी, राजनारायण, मीना सिंह, मुरारी लाल आदि सभी के साथ अच्छी बातचीत हुई।

6 दिसम्बर को दमन सिंह का दिल्ली जाने का कार्यक्रम था। भीकमपुरा क्षेत्र के लोगों ने प्रधानमंत्री की बेटी को अपने बीच पाकर अपने आप को धन्यता स्वीकारते हुए स्वागत किया। सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्र में मौजूदा लोगों को बुलाया था। भीकमपुरा से महिला समूह की सदस्य, संस्था के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सुरक्षा कर्मी थे। सबसे पहले संस्था के पदाधिकारियों ने सुरक्षा अधिकारियों का स्वागत किया। उनकी सुरक्षा व्यवस्था में ही दमन सिंह ने तरुण भारत संघ के कार्यों को गांव-गांव जाकर देखा-समझा। सबके बाद में गांव से आए सम्माननीय लोगों ने दमन सिंह का अपनी परम्परानुसार स्वागत किया।

संस्था के महामंत्री श्री कन्हैया लाल, गोपालपुरा के वयोवृद्ध मांगू बाबा, सूरतगढ़ के सुमेर सिंह, बाछड़ी के पेमाराम वकील साहब, भीकमपुरा से ज्ञानचन्द गुप्ता सरपंच, महिला समूह की सदस्याओं ने स्वागत किया। दमन सिंह ने इस मौके पर अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कहा कि मैंने यहां एक बहुत बड़ी बात यह देखी कि सबसे पहले सुरक्षा व्यवस्था में लगे लोगों का स्वागत किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था में लगे लोगों का कहीं भी इस तरह का स्वागत होता नहीं देखा। जबकि ये लोग रात-दिन, सर्दी, धूप, गर्मी, सहते हुए सुरक्षा में लगे रहते हैं। दमन सिंह 12 साल पहले भी भीकमपुरा आई थीं। 15 दिन रही थीं, गांव में भी गई थीं। कार्यकर्ताओं के साथ रहकर सीखने-सिखाने का कार्य किया था। इन लोगों के कार्य और व्यवहार वैसे के वैसे ही हैं जैसे 12 साल पहले थे। बस इन लोगों के थोड़े बाल सफेद हुए हैं। यहां आकर अच्छा लगा। 12 साल पहले के देखते हुए काफी बदलाव आया है और आशा करती हूं कि भविष्य में और अच्छा होगा।

इसके बाद दिल्ली के लिए रवाना हुईं। रास्ते में तिजारा जट्ट मालिहर गांव में गईं, जहां तरुण भारत संघ का उपकेन्द्र है। केन्द्र पर अक्टूबर 2005 से तरुण जल विद्यापीठ के लिए भवन निर्माण हो रहा था। लेकिन यहां की राजनीति ने कार्य को रुकवा दिया। संस्था के कार्यकर्ता भवन निर्माण में आई रुकावटों के कारणों में कागजी कार्यवाही में लगे हुए थे। 13 जुलाई को बिना किसी जानकारी के तरुण जल विद्यापीठ को मुख्य मंत्री स्तर से तुड़वा दिया गया। सामाजिक कार्यों में आने वाली बाधाओं को भी समझा और सरकार की सोच और मंशा के भी दर्शन एक साथ देखे। तरुण जल विद्यापीठ का विध्वंस देखकर निमली गांव में गईं, जहां संस्था ने अपनी जमीन पर नया भवन बनाया है। वही वी.आर.सी. सूचना केन्द्र लगा है जिसका दमन सिंह के कर-कमलों द्वारा उद्घाटन किया गया। नये केन्द्र पर कार्यकर्ताओं के साथ भोजन किया। कुछ देर 12 साल पहले की यादों को ताजा करते हुए सभी को प्रसन्नता हुई, अपनापन लिए बहुत ही अच्छा लगा। सहज भाव से दिल्ली के लिए सभी ने विदा किया। यह सब तरुण भारत संघ के इतिहास में इस तरह का मूल्यांकन अच्छा रहा है।

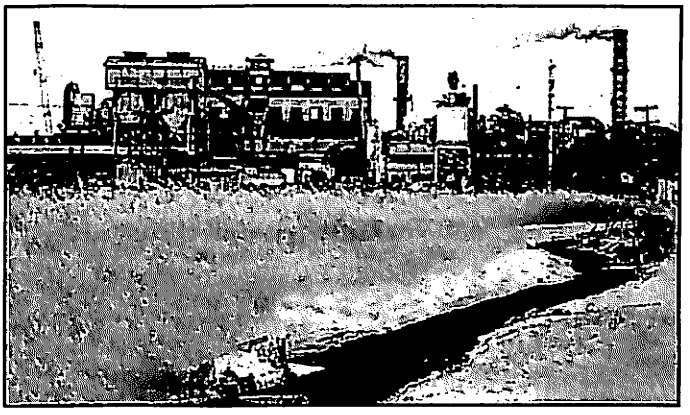

नदी प्रदूषण सरकारी कार्यक्रम और राजनीति के बहिष्कार का कारण बना - पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से निकलने वाली हिण्डन नदी के दोनों ओर बसे गांवों ने देश में नदी प्रदूषण को लेकर आन्दोलन तेज कर दिया है। इस आन्दोलन की शुरुआत नवम्बर 2004 में हुई थी। तरुण भारत संघ के तत्वावधान में हिण्डन जल बिरादरी का गठन किया गया था। नवम्बर 2004 और फरवरी 2005 में नदी के दोनों किनारों को लेकर हिण्डन प्रदूषण के कारणों का पता लगाया गया। गांव में बैठकें आयोजित की गईं। संगठन बनाए गये। स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग लिया गया। नये कार्यकर्ता चुने गए। प्रशिक्षण प्रक्रिया चलाई और जिम्मेदारी सौंपी गई।

आज हिण्डन का आन्दोलन सक्रिय रूप में कुछ गांव में अपना असर दिखा रहा है। पश्चिमी क्षेत्र के गांवों में जहां सबसे अधिक नदी प्रदूषण के कारण लोग प्रभावित हुए हैं, वहां के लोग आगे आए हैं। उन्होंने अपने गांवों में प्रदूषण करने वाले उद्योगों के खिलाफ आन्दोलन शुरू किया है। उद्योगों के कारण ही नदी प्रदूषित हुई है। नदी प्रदूषण कैसे बन्द हो ? इसके लिए उद्योगपतियों से भी मिले, उन्हें ट्रीटमेंट प्लान्ट को चालू करने के लिए कहा, जिन उद्योगों में यह प्लान्ट नहीं, उन्हें भी लगाना चाहिए और जिनमें बन्द पड़े हैं, उन्हें चालू रखना चाहिए। इतना ही नहीं पी.एस.आई. देहरादून की संस्था द्वारा नदी प्रदूषण की लेबोरेट्री में जांच कराई गई। गांव में महिला, पुरुष, बच्चों में नदी प्रदूषण के कारण तरह-तरह की प्राणघातक बीमारी बढ़ने से चर्मरोग और कुष्ठ रोगों के बढ़ने से, गांव के गांव प्रभावित हैं। आज नदी प्रदूषण के कारण प्राणघातक बीमारी तक ही सीमित नहीं है बल्कि सामाजिक बुराई बन चुकी है। नदी किनारे बसे गांवों में हजारों युवाओं को बिना संगिनी के ही जीवनयापन करना पड़ रहा है। इन गांवों में अपनी लड़की देने के लिए कोई भी तैयार नहीं होता है।

अब आलम यह है कि नदी प्रदूषण से प्रभावित गांवों ने सरकारी राष्ट्रीय कार्यक्रमों का ही बहिष्कार करना शुरू कर दिया है। फरवरी 2007 में पोलियो अभियान का बहिष्कार सामूहिक तौर पर यह कह कर किया गया कि जब हमारी मौत प्रदूषित पानी पीकर होना ही है तो पोलियो की दवा ही क्यों ? चालीस गांवों में इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का बहिष्कार हुआ। 26 मार्च को भी ऐसा ही संकल्प प्रभावित गांव ने लिया जिससे सरकारी तंत्र भी हिला और राजनीति भी। उत्तर प्रदेश के अप्रैल में होने वाले चुनावों की सरगर्मी जनवरी-फरवरी से ही शुरू हो गई थी। हिण्डन के प्रभावित गांवों में इस बार चुनावों के बहिष्कार की सुगबुगाहट होनी शुरू हुई थी। 30 जनवरी को गांधी दर्शन दिल्ली में हिण्डन के प्रभावित गांवों के लोगों ने अपने गांवों के पानी को गांधी जी की मूर्ति के आगे रखते हुए संकल्प लिया था। हम अब की बार चुनावों का बहिष्कार करेंगे। इस संकल्प की पूर्णाहुति 26 मार्च को गांव-गांव में संकल्प के साथ चैत्र मास की नवरात्राओं में की गई। गांव-गांव में सभाएं आयोजित की गईं। मीडिया में चुनाव बहिष्कार की खबरें आने से सरकारी तंत्र भी सतर्क हुआ। कलेक्टर और एस.पी., एस.डी.एम., तहसीलदार आदि को गांव में जायजा लेने जाना पड़ा। प्रभावित गांव के लोग अपने-अपने संकल्प के प्रति वचनबद्ध दिखाई दिए।

जल बिरादरी सम्मेलन - राष्ट्रीय जल सम्मेलन ''जल जोड़ो'' गांधी दर्शन राजघाट, दिल्ली में 27-30 जनवरी 2007 को किया गया, जिसमें देश भर के 150 से अधिक जल चिन्तकों, विशेषज्ञों, विधिवेत्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। देश भर से आए लोगों को जल प्रेमी, चिन्तक, समाज सेवी अपने-अपने क्षेत्रों से पानी के सेम्पल लेकर आए थे, जिसे समाज पीकर अपनी मौत को शनैः-शनैः आमन्त्रित करता है। अपने-अपने क्षेत्रों में जल के प्रदूषण और जल की बढ़ती हुई समस्याओं के समाधान के ऊपर मुख्य फोकस रहा।

22 मार्च, अन्तर्राष्ट्रीय जल दिवस के अवसर पर गांधी स्मृति में बिड़ला हाउस 30 जनवरी मार्ग दिल्ली में जल साक्षरता के लिए एक बैठक रखी गई। बैठक स्थल वही स्थान था जहां गांधी जी रहा करते थे और अन्तिम दिन भी उसी हाल में रहे थे। बैठक की अध्यक्षता राधा भट्ट ने की और मुख्य अतिथि प्रोफेसर सैफुद्दीन सोज़ साहब थे। बैठक का शुभारम्भ गांधी जी के चित्र के सामने ''जलदीप'' जला कर जल साक्षरता अभियान का दिल्ली में जल बिरादरी की अगुवाई में शुरू किया था। बैठक का उद्देश्य **सत्याग्रह शताब्दी वर्ष : हमारा लक्ष्य** **''जल साक्षरता से जल स्वराज-जल स्वराज से ग्राम स्वराज''** था। सबसे पहले जल बिरादरी, दिल्ली के अध्यक्ष रमेश शर्मा जी ने **''नदिया धीरे बहो.....** गीत गाकर सभा का संचालन किया। गांधी स्मृति की संचालिका सविता सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और स्वागत भाषण भी दिया। राजेन्द्र सिंह ने भी जल की बढ़ती समस्याओं के समाधान में समाज का मालिकाना हक कैसे कायम हो, देश की जलनीति कैसे प्रभावी बने ? और सरकार को किस प्रकार से जल के काम को आगे बढ़ाने के कारगर उपाय करने चाहिए? इन सब को लेकर गांधी जी के सत्याग्रह आन्दोलन शताब्दी वर्ष में जल साक्षरता अभियान को देश के भू-सांस्कृतिक क्षेत्रों में कार्य करने की जरूरत पर जोर दिया।

केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री जी ने अपने व्यस्त समय में से इस बैठक में अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा कि देश में जल की समस्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। हमें किफायत से काम करना होगा, साथ ही भू-जल वृद्धि के अपने तौर-तरीके भी अपनाने होंगे, जिससे धरती का जल स्तर बढ़े। हमें अपनी जीवन पद्धति में जल के उपयोग के विषय में भी सोचना पड़ेगा। उन्होंने कहा मैं उतना ही पानी लेता हूं जितना मुझे जरूरत है। चाहे मुझे

कई बार क्यों न लेना पड़े। सरकार ने इस वर्ष जल साक्षरता वर्ष घोषित ही नहीं किया है बल्कि गांव में ग्रामीण गारण्टी रोजगार योजना के तहत जल संरक्षण के कार्य के लिए देशव्यापी योजनाएं भी बनाई हैं और उन्हें क्रियान्वित कराया गया है।

राधा भट्ट ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि जब तक सरकार स्वयं मालिक बनकर रहेगी, तब तक समाज क्यों साथ दे ? समाज को मालिक बनाने के लिए उसको अधिकार देने की जरूरत है। बिना अधिकार दिए समाज मालिक नहीं बन सकता है।

वैसे तो तरुण भारत संघ ने जल साक्षरता वर्ष 2006 घोषित किया और वर्ष भर कार्यक्षेत्र अलवर व देश में जल साक्षरता के कार्यक्रम किए। केन्द्रीय सरकार ने वर्ष 2007 को जल वर्ष घोषित किया। जल संरक्षण के लिए योजना परियोजनाओं को देश भर में लागू किया।

जल संरक्षण के लिए न्यायालय में गुहार : जनवरी 2006 में राजस्थान सरकार ने अलवर व अन्य जिलों में पानी का दोहन करने वाली 23 बड़ी कम्पनियों को आमन्त्रित किया है। उन्हें लाइसेंस जारी किये व जमीनें दी हैं जब कि तिजारा क्षेत्र पहले से ही कम पानी का क्षेत्र है। सरकार के भू-जल बोर्ड के रिकार्ड अनुसार भी कम पानी का क्षेत्र घोषित है। राजस्थान की पूर्व सरकार ने वर्ष 2000 में पानी का दोहन करने वाली कम्पनियों को लाइसेंस देने से इन्कार कर दिया था। लेकिन 2006 में वर्तमान सरकार ने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों को लाइसेंस और एन.ओ.सी. प्रमाण पत्र देकर बुलाया है। सबने अपने स्तर से काम चालू कर दिया है।

तभासं ने तिजारा क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से समाज के साथ जुड़कर अपने सीमित साधनों से जल संरक्षण का कार्य किया। समाज में पानी के प्रति जन जाग्रति पैदा की। जहां संरक्षण के कार्य हुए हैं, वहां जल स्तर में भी सुधार हुआ है। लेकिन सरकार की नीतियों के चलते अब पानी के दोहन के लिए बड़ी कंपनियां आ रही हैं। तरुण भारत संघ ने इन कम्पनियों का विरोध करना शुरू किया तो सरकार की मुखिया मुख्य मंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया जी ने अलवर की तिजारा तहसील के जिन्दौली गांव में 16 मई 2006 को जल अभियान शुभारम्भ के अवसर पर तरुण भारत संघ के शराब कंपनियों के विरोध के चलते भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप शिकायत में कहा कि संस्था ने सैकड़ों एकड़ सरकारी भूमि पर कब्जा कर लिया है। मुख्य मंत्री ने तुरन्त जांच के आदेश दिये।

जांच अधिकारियों ने तरुण भारत संघ द्वारा निर्मित तरुण जल विद्यापीठ के कार्य को तुरन्त रुकवा दिया। 3 जुलाई को किशनगढ़ में सांवरलाल जाट की बैठक में फिर से यह प्रश्न उठा तो जाट ने तरुण जल विद्यापीठ को तुड़वाने के लिए सरकारी तंत्र पर बहुत दबाब डाला। सरकारी तंत्र नेताओं के इशारे पर नाचता है। वहीं नाच तरुण भारत संघ द्वारा निर्माणाधीन तरुण जल विद्यापीठ को तोड़ने में देखा। जिलाधीश अलवर ने आनन-फानन में बिल्डिंग तोड़ने के दस्ते व बल का बदोबस्त करके 13 जुलाई को तरुण जल विद्यापीठ को तोड़ने के लिए भेज दिया। संस्था के कार्यकर्ताओं की प्रार्थना पर कोई अमल न करते हुए भवन को तुड़वाया गया। इस प्रकार के कृत्य को तरुण भारत संघ द्वारा अतिक्रमण बताया गया। संस्था के पदाधिकारियों को बदनाम किया गया। जबकि जिले में शिक्षा के विकास के लिए संस्था ने अपने

साधन जुटाकर 35 स्कूल पिछले सालों में बनाकर समाज को सौंपे हैं, उन भवनों में सरकारी स्कूल चल रहे हैं। वे सभी स्कूल गांव की जमीन पर थे। ऐसे ही तरुण जल विद्यापीठ के लिए भवन बन रहा था, जिसमें अलवर और राज्य के बच्चे ही शिक्षा पाते। कोई निजी कार्य के लिए नहीं था। तरुण जल विद्यापीठ के भवन में सरकार का पैसा हो या विदेशी संस्थाओं का लेकिन संस्था के पास तो समाज कार्य करने के लिए ही था। संस्था पिछले 22 सालों से अपने सामाजिक कार्यों में लगी हुई है। फिर भी सरकार और सरकारी-तंत्र संस्था के कार्य को सराहने के बजाय तोड़ने में जुट गया। किसी भी दल की सरकार रही हो, तरुण भारत संघ की वैचारिक लड़ाई के चलते ऐसी रुकावटें तो सदा आती रही हैं।

जल संरक्षण का नारा देने वाली सरकार का चेहरा साफ दिखाई दे रहा था। अब उससे किसी प्रकार की आशा नहीं की जा सकती थी। भवन तोड़ने के पीछे सरकार की मंशा तिजारा से ही संस्था को हटाना था। न संस्था रहेगी और न शराब की कम्पनियों का विरोध होगा। कंपनियों के लिए खुला निर्विरोध वातावरण मिलेगा। संस्था के पदाधिकारियों ने इस विषय पर अपने सभी साथियों से मिलकर विचार-विमर्श किया। सभी की राय में अब न्यायालय जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। नवंबर 2006 में संस्था ने सभी दस्तावेज जुटाकर उच्च न्यायालय जयपुर में याचिका दायर की। जिसे न्यायालय ने स्वीकारते हुए संबंधित पार्टियों को नोटिस भिजवा दिये, अभी न्यायालय में प्रक्रिया चालू है। संस्था के पदाधिकारियों को अगर सर्वोच्च न्यायालय जाना पड़ेगा तो जायेंगे। पानी का संरक्षण करना और पानी की लूट को रोकना, संस्था समाज के साथ रही है और भविष्य में भी संघर्षरत रहेगी।

दस्तावेजीकरण

अध्ययन - 21 मार्च से 15 अप्रैल 2006 तक केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना क्षेत्र का पी.एस.आई. देहरादून द्वारा झांसी में रमेश त्रिपाठी के साथ तरुण भारत संघ के कार्यकर्ताओं ने अध्ययन किया। प्रथम प्रारूप मिल गया है। उस पर संस्था के पदाधिकारी अपनी राय देंगे। शीला डागा द्वारा लिखित पुस्तक "क्यों नहीं नदी जोड़ ?" पुस्तक का कार्य पूरा हुआ। 1000 प्रतियां छपवाई गईं जिन्हें देश भर में भेजा गया। नदी जोड़ परियोजना बोर्ड के चीफ इन्जीनियर को भी 10 प्रतियां भिजवाई गईं।

अरवरी संसद पुस्तक का कार्य पूरा हुआ। 2000 हजार प्रतियां छपवाईं, 'जलमणिका' गुटिका का कार्य पूरा हुआ। एक हजार प्रतियां छपवाई गईं।

नई पुस्तकों में जल संस्कृति, भारतीय जल दर्शन, पानी परंपरा, पानी की आवाज, तरुण भारत संघ का एक सफर, ग्राम स्वावलम्बन के तीन दशक, तरुण भारत संघ हिन्दी-अंग्रेजी में संपादन का कार्य चालू है।

उत्तर प्रदेश के हिण्डन नदी क्षेत्र में नदी प्रदूषण और राजस्थान के तिजारा में शराब कम्पनियों के विरोध में जन जागृति के लिए पर्चे छपवाए।

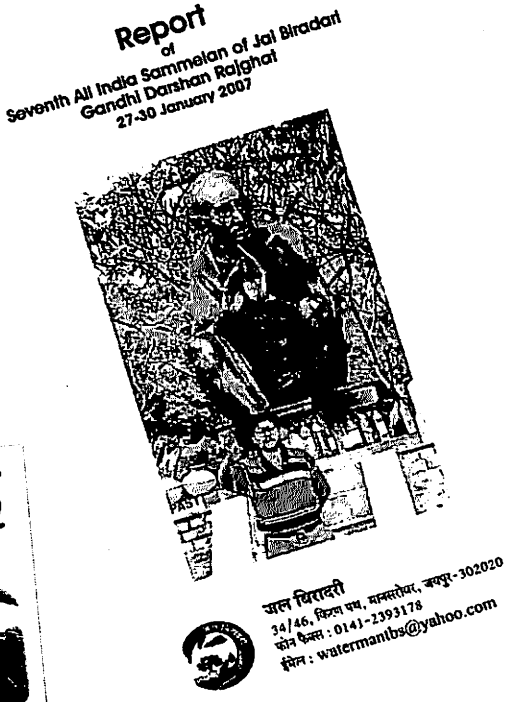

List of Institute and Non-Government officials visited to TBS 1 October 06 to March 07			
S. No.	**Name of Organisation and Address**	**State**	**Date**
1	Subrat Kumar Sahu (TERI)The Energy and Resource Institute, India Habitat Centre	Delhi	24.05.06
2	Sanjeev Bhatt H. P. P I., Behror	Rajasthan	10.5.06
3	Satish Kumar Karna Lok Prerna, Deogadh	Jharkhand	10.5.06
4	B. L. Patil, Advocate President, Vimochan Sangh, Athani	Karnataka	7.7.06
5	Prof. Varun Arya and 58 students Aravali Institute of Rural Management Jodhpur	Rajasthan	31.7.06
6	Babulal Sharma with 10 persons Gandhi Shanti Pratishthan, Delhi	Delhi	12.8.06
7	Niranjanlal Sharma Sauhardra, Nimrana, Alwar	Rajasthan	9.9.06
8	World Vision, Disha ADP Housing Board, Tonk	Rajasthan	13.9.06
9	Anu Jogesh CNN-IBN, Chennai		15.9.06
10	Meena S. Rao CAPART, New Delhi	New Delhi	16.9.06
11	Indian Institute of Tourism and Travel Management, Gwalior 22 students	M. P.	28.9.06
12	Rajendra Singh Indian Institute of Travel and Tourism Management (23 Participants) Gwalior	Madhya Pradesh	28 Sep.06 to 12 Oct. 06
13	Kalpana Chawala Girls College Rajgarh, Alwar (40 Participants)	Rajasthan	16 Oct. 06
14	Dr. Dattaram Desai Savaivere Foundation	Goa	27 Oct. 06
15	Thakur Vaidya Nath Ayar and Company (Audit for April 2003 to March 2006)	New Delhi	7 Nov 06 to 9 Nov. 06
16	Carl Gustaf Svensson Counsellor & Head SIDA	New Delhi	24 Nov.06 to 26 Nov. 06
17	Ramesh G. Mukalla Programme Manager SIDA	New Delhi	24 Nov.06 to 26 Nov. 06
18	Daman Singh SIDA	New Delhi	1 Dec. 06 to 6 Dec.06
19	Kullin Deshmukh WASMO Surendranagar	Gujrat	19 Dec. 06

20	Naimur Deshmukh One World South Asia (45 Participants)C-5 Q 1 A	New Delhi	21 Dec. 06
21	Dr. Maya Kendriya Vidyalaya No.1 (200 Students) Alwar	Rajasthan	21 Dec. 06
22	P. G. Majitha WASMO (50 Participants)Surendranagar	Gujrat	21 Dec. 06
23	Manish Sharma (5 Students) Indian Institute Forest Management, Bhopal	Madhya Pradesh	25 Dec. 06 to 4 Jan. 06
24	Salahuddin Saiphy CSS41, Tughlabad Institutional Area	New Delhi	6 Feb. 07
25	Madan Nagada Gandhi Manav Kalyan Society Ogana (40 Participants) Udaipur	Rajasthan	29 Mar. 07
26	Ruchi (5 Students) Tata Institute of Social Science Mumbai	Maharashtra	25 March 07 to 7 April 07
27	K. Savitri, Col. Nk Bhatia University of Jamia (32 Participants)	Uttaranchal	15 Mar. 07
28	Prashant Kumar Sharma Rashtriya Military College Dehradoon (42 Cadets)	Uttaranchal	28 Mar. 07 to31 Mar.07
	List of Government officials visit to TBS – 1 April 06 to Sept 07		
1	Subramaniamvevgensan and 7 members An Administrative of Social Welfare Dept. Government of Tamilnadu, Chennai	Tamilnadu	27.4.06
2	Krishna Mohan Yadav Junior Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Lohargang	Jharkhand	24.5.06
3	Om Prakash Rai M. P. PeyJal Swachchata Avar Prabandhan Japala, Modinagar	M.P.	25.5.06
4	Pankaj Kumar Sinta Assist. Engineer, Peyjal Avam Swachchata		
5	Avar Pramandal, Jamshedpur G. C. Tallur Advisor of Government of Karnataka P.W.D. Dharwad	Karnataka	7.7.06
6	Shri Debiprasad Mishra Minister of Tourism and Excise of Orrisa	Orrisa	11.9.06
7	BAIF Watershed Project 44 participants, Bundi	Rajasthan	17.9.06

8	P. S. Somshekhar Field Director and Conservator Sariska	Rajasthan State	28.9.06
9	Amar Singh Gunjiyal Project Director DRDA, Almora	Uttaranchal	22 Dec. 06
10	Dharnis Nath Project Director DRDA, Jajpur	Orrisa	22 Dec. 06
11	A. R. Qurreshi Project Director DRDA, Betul	Madhya Pradesh	22 Dec. 06
12	K. K. Sony Project Director DRDA, Vidisa	Madhya Pradesh	22 Dec. 06
13	Dr. R. R. Prasad Project Director DRDA, Andhra Pradesh	Hyderabad	22 Dec. 06
14	Lalit Sharma Baghpat	Uttar Pradesh	27 Dec. 06
15	Dr. Pramila Sanjay Regional Representative CAPART, Jaipur	Rajasthan	1 Feb.07
16	Deepak Nath Consultant (GVA) CAPART	New Delhi	1 Feb. 07 to 3 Feb. 07
17	Yatin Gupta Technical Consultant (GVA) CAPART, Jaipur	Rajasthan	1 Feb. 07 to 4 Feb. 07
18	Kamlapati Technical Consultant (GVA) CAPART, Jaipur	Rajasthan	1 Feb.07 to 6 Feb. 07
19	Manindar Singh Young Professional CAPART, Jaipur	Rajasthan	1 Feb.07 to 6 Feb. 07
	List of Individuals visit to TBS – 1 April to 31 March 07		
1	Jaleshwar Kriwarty Kotisomar, Champa-Jahangeer	C. G.	1.5.06
2	Manoj Kumar Singh (Student) (IRM, Jodhpur), Mukti Niketan, Banka	Bihar	1.5.06

3	Yelgunde Nilesh Laxman Counsellor, Sakal News Papers, Pune	Maharashtra	1.5.06
4	Abhijeet Prakash Bhalerao Student of Walchand College of Arts & Science, Sholapur	Maharashtra	17.5.06
5	Rahul Arun Mahare Student of Walchand College of Arts & Science, Sholapur	Maharashtra	17.05.06
6	Abhijeet Aruna Dhondiram Anap Student of Environmental Science, University of Pune, Pune	Maharashtra	1.6.06
7	Murali H. K. Bangalore	Karnataka	2.7.06
8	Savil Srivastava Engineering student, Gurgaon	Haryana	10.7.06
9	Pravin Kumar Taneja Fashion Designer, Alwar	Rajasthan	18.7.06
10	Ankur Soni Student, Alwar	Rajasthan	18.7.06
11	Dr. Deep N. Pandey Jaipur	Rajasthan	4.8.06
12	Mahant Prakash Das Tikanagang-Rajgarh, Alwar	Rajasthan	15.8.06
13	Dhunilal, Keshav Nikunj Shivaji Nagar, Udaipur	Rajasthan	7.9.06
14	Kalpak Deshmukh Student, Pune	Maharashtra	2.9.06
15	Pankaj Gupta Gurgaon	Haryana	13.9.06
16	Samiksha Agrawal New Delhi	Delhi	10.9.06
17	Aditi Sancheti Pune	Maharashtra	13.9.06
18	Richanil Mahapatra New Delhi	Delhi	27.9.06
19	P. Narayan B-8 South Extension Apartment	Delhi	8 Oct. 06
20	Dr. Narendra Malhotra 30, New Bhramnagar, Lucknow	Uttar Pradesh	8 Oct. 06
21	Dr. Anand Kumar Dandiya Market, Barodra	Gujarat	8 Oct. 06

22	R.M. Gupta 223 Deendayal Marg	Delhi	8 Oct. 06
23	Sunil Kumar Ramsinghpura, Neem Ka Thana, Sikar	Rajasthan	12 Oct. 06
24	Alltas 110 B/S Gautam Nagar	Delhi	18 Oct. 06
25	Ramnarendra Chitalanka	Chattisgarh	19 Oct. 06
26	Ashok Gaonkar Mannagudde, Bangalore	Karnataka	30 Nov. 06
27	Sunil Kumar SPG Complex Sector-8	Delhi	2 Dec. 06
28	Udaypal Singh 869, 3rd Floor SPG Complex	Delhi	2 Dec. 06
29	Prabhat K Nayak C-10 Pragati Vihar Hostel Lodhi Road	Delhi	2 Dec. 06
30	Sandeep Singh Faridabad	Punjab	13 Dec. 06
31	Abhishek Pratap Singh 222-A Scheme No. 72 Alwar	Rajasthan	21 Dec. 06
32	Champalal B Sanghvi 321/4 Santi Nagar, Pune	Maharashtra	24 Dec. 06
33	Kishor M Kerina 382 Bhawani Path, Pune	Maharashtra	24 Dec. 06
34	Mehul Parmar WP Center	Delhi	18 Jan. 07
35	Pallavi Srivastava (Doing Research) MLSU, Udaipur	Rajasthan	18 Jan. 07
36	Suresh Tripathi Baragarh	Orissa	19 Jan. 07
37	Bijendra Mishra GSS, Shidi	Madhya Pradesh	3 Feb. 07
38	Narendra Kumar PSSS, North Karodiya, Shirdi	Madhya Pradesh	3 Feb. 07
39	Rajendra Singh Asst. Agricultural Eng. Thanagazi, Alwar	Rajasthan	17 Feb. 07
40	SL Kumar 23/4, Chadla Bhawan	Delhi	17 Feb. 07
41	Dr. Suresh Chandra Malik MDS University	Rajasthan	20 Feb. 07

42	Bharat Gandhi Vichar Parishad, Wardha	Maharashtra	22 Feb. 07
43	Prembos Najoh Puri	Orissa	22 Feb. 07
44	Abdul Jaleel Shreef A Murkesh I (One Month Block Placement) Shree Sankaracharya University	Kerala	6 Feb. 07 to 26 Feb. 07
45	C K Sharma Asst. Director Irrigation Management & Agricultural Institute, Kota	Rajasthan	27 Feb. 07
46	Aman Sinha	Delhi	27 Mar. 07
47	Roopchand G.C. Bawal, Rewari	Haryana	27 Mar. 07
	List of foreigners visit to TBS – 1 April 06 to 31 March 07		
1	John Stiefel Kent, Washington	USA	16.06.06
2	Nimodri Biswas Florida International University, Miami	USA	16.6.06
3	Ashwini Goyal with 17 Foreigners Setem- Cataluxiry, Tarana-Barcelona	Spain	3.8.06
4	Vicor Maeso	Spain	22.8.06
5	Johan Esping Gamisans	Spain	
6	Fatima Bew. Guarch	Spain	
7	Anna Palomera	Spain	
8	Larva Esquivs De La E.	Spain	
9	Alba Canal Bosvh Setem- Cataluxiry, Tarana-Barcelona Accompanied by Asha, Mumbai	Spain	
10	Prveen Kjha Grass Root Nepal Kataiya	Nepal	8 Oct. 06
11	Mehreen Kapadiya (Doing Research Work) 396, Edenvold Calgary	Canada	28 Oct. 06 to April 07
12	Kathleen Mcwilliams (Research Work) 46 Mchtinadale N.K.	Canada	7 Nov. 06 to 26 Nov. 06
13	Dr. Aradhana Parmar (Research Work) University of Calgary Alberta	Canada	7 Nov. 06 to 26 Nov. 06

14	Anna Goldberg Washington	USA	1 Nov. 07 to 30 Nov. 07
15	John Oldfield Washington DC	USA	2 Dec. 07
16	Vewoort Faculty of Agricultural	Sydney	12 Dec. 07
17	Willem Faculty of Agricultural	Sydney	12 Dec. 07
18	Claire Glendening (Doing Research Work) Soil Scientist University of Sydney	Australia	1 Jan 07 to Jan 08
19	Ryan Huthchings 106 A Island Bay RD Beach Haven Auckland	New Zealand	1 Feb. 07
20	Prof. Samdhong Rinpoche Chairman of Kashag Gangehen Kyishong Dharamsala	Tibbat	13 Feb. 07
21	Autiuio Auwellim	Italia	25 Feb. 07
22	Kivsty Hughes British Journalist	Britain	8 Mar. 07
23	Mr. P.K. Sharma Students of Millenium School	Dubai	28 Mar. 07 to 31.07

Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

306, 2nd Floor, Shalimar Complex
Opp. Church, Jaipur-302 001
(P) 0141-2366810

AUDITORS' REPORT

We have audited the attached consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2007 of **M/s Tarun Bharat Sangh,** Jaipur (Activities from Bheekampura Kishori, Distt. - Alwar) and also the consolidated Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account for the year ended on 31st March, 2007 from the books of accounts, vouchers & other relevant records produced before us for our examination. These financial statements are the responsibility of the Institution's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates & valuation of material made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

We report that :

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;

(ii) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Institution so far as appears from our examination of those books.

(iii) The Balance Sheet, Income & Expenditure and Receipt & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of account.

(iv) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India :

(a) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institution as at 31st March, 2007; and

(b) in the case of the Income & Expenditure Account, of the NIL (Surplus/deficit) of the Institution for the year ended on that date.

For **GOYAL ASHOK & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

(A.K. GOYAL)
Proprietor

JAIPUR
DATE : 14 August, 2007

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT FOR THE PERIOD 01.04.2006 TO 31.03.2007

RECEIPT		AMOUNT	PAYMENT		AMOUNT
To Opening Balance			By Sida Project Expenditure		
Raj.Bank, Jaipur	2,698,956.31		> Organising Rural Communities for		
Alwar Bharatpur			Integrated Water Management		6,501,815.00
Gramin Anchalik Bank			> Increase Policy Understanding in		
A/c no. 764	102,527.00		Water Management at State and		
A/c no. 2459	1,119.00		National Level		2,085,478.00
PNB , Umarain	148.00		> National College on Water at TBS		16,171.00
SBBJ - Thanagaji	671.67		> Capacity Building of TBS and		
Arawali Kshetriya Gramin			Project Overheads		3,539,672.02
Bank Gadmora (3123)	507.00				
Centurion bank	91,721.53		By Ford Foundation Project Expenditure		
FDR (ABGAB)	866,739.00		> Documentation		110,500.00
UTI-Equity Fund	500,000.00		> Honorarium		111,000.00
Cash in Hand	791,159.00	5,053,548.51	> Physical Work		124,078.00
			> Training & Meeting		236,450.00
To Grant Received from			> Traveling Charges		34,540.00
Sweden Embassy , New Delhi		22,733,945.00	> FDR Made Out of Interest earned		720,000.00
To Bank Interest Received		416,258.52	By Expenditure in Head Office		
			Lodging & Boarding		657,218.00
To Interest on Investment of			Agriculture Expenses		271,758.00
Endowment Fund in FDR		985,532.00	Donation		703,364.00
			Bank Charges		2,659.73
To Received from CAPART for					
Training		42,500.00	By Capital Assets Purchases		
			Alternator	4,200.00	
To Income from Boarding / Lodging		643,450.00	Camera	35,300.00	
			Computers	366,010.00	
To Income from Sale of Books		62,846.00	Cycles	6,050.00	
			Engine	30,500.00	
To Income from Tractor		146,096.00	Furniture	105,362.00	
			Instruments	7,730.00	
To Membership Fees		714.00	Land & Building	10,127,184.00	
			LCD Projector	40,000.00	
To Misc. Income		41,770.00	Motor Cycle	87,542.00	
			Photocopiers	48,382.00	
To Grant Received from			Solar Panel	81,503.00	
Kamala Jal Swachtha Sansthan		5,000,000.00	Survey Equipments	13,968.00	
			Sewing Machine	6,000.00	
To Bank Loan from Rajasthan Bank		7,863,916.00	Tractor & Cultivators	4,550.00	10,964,281.00
To Advance Recovered			By CAPART Training Expenses		125,414.00
Shri Budhalal	9,100.00				
Shri Jagdish Gurjar	17,711.00		By Kamla Jal Swachtha Project		
M/s Kumar & Co.	83,457.00		Expenditure		295,770.00
Shri Omkar Singh	200,000.00				
M/s Prayavaran			By TDS (A.Y.2006-07)		28,974.00
Premi Puraskar					
Trust	44,541.00		By Advance Given		
Sh.Ramendra Singh	188,589.00		Shri Anil Gotam	20,000.00	
Sh.Sitaram Singh	4,000.00	547,398.00	Shri Arjun Gurjar	6,000.00	
			Shri Arun Kumar Singh	15,000.00	
To Amount Transfer from FDR		600.00	Shri Arvind Kushawaha	100,000.00	

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT		AMOUNT
		Shri Banwari Lal Kohli	7,200.00	
		Shri Chaman Singh	11,200.00	
		Shri Devyani Kulkarni	7,545.00	
		M/s IDS	100,000.00	
		Shri Jay Ram Prajapat	10,000.00	
		Shri Kalu Ram Meena	32,377.00	
		Shri Mahadev Sharma	5,236.00	
		Shri Shailendra Singh	35,000.00	
		Shri Sharvan Sharma	7,410.00	
		Shri Devendra Singh	64,239.00	
		Shri Jagdish Gurjar	28,758.00	
		Shri Kanhiya Lal Gurjar	24,294.00	
		Shri Murarilal Jangir	30,000.00	
		Shri Santpal Gurjar	6,247.00	
		Ubheshwar Vikas Mandal	89,010.00	599,516.00
		By Advance Against Rent		1,044,009.00
		By Advance Against for Land Purchases		2,200,000.00
		By Closing Balance		
		Raj.Bank , Jaipur (FCRA)	901,636.29	
		Raj.Bank , Jaipur (Local)	6,538,129.00	
		Alwar Bharatpur		
		Gramin Anchalik Bank		
		A/c no. 764	67,926.27	
		A/c no. 2459	1,119.00	
		PNB , Umarain	148.00	
		SBBJ - Thanagaji	671.67	
		Arawali Kshetriya Gramin		
		Bank Gadmora (3123)	507.00	
		Centurion bank	552,838.05	
		FDR (ABGAB)	866,739.00	
		FDR (Raj.Bank)	4,000,000.00	
		Syndicate Bank	79,580.00	
		Cash in Hand	156,612.00	13,165,906.28
	43,538,574.03			43,538,574.03

As per our report of even date.

For Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

(A.K.Goyal)
Proprietor

Place : Jaipur
Date :

For Tarun Bharat Sangh

Secretary

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD 01.04.2006 TO 31.03.2007

EXPENDITURE		AMOUNT	INCOME	AMOUNT
To Sida Project Expenditure			By Unutilised Grant b/f	3,573,680.31
> Organising Rural Communities for Integrated Water Management		6,501,815.00	By Grant Received from Sweden Embassy , New Delhi	22,733,945.00
> Increase Policy Understanding in Water Management at State and National Level		2,085,478.00	By Bank Interest Received	416,258.52
> National College on Water at TBS		16,171.00		
> Capacity Building of TBS and Project Overheads		3,539,672.02	By Interest on Investment of Endowment Fund in FDR	985,532.00
To Ford Foundation Project Expenditure			By Received from CAPART for Training	42,500.00
> Documentation		110,500.00		
> Honorarium		111,000.00		
> Physical Work		124,078.00	By Income from Boarding / Lodging	643,450.00
> Training & Meeting		236,450.00		
> Traveling Charges		34,540.00	By Income from Sale of Books	62,846.00
> FDR Made Out of Interest earned		720,000.00	By Income from Tractor	146,096.00
To Expenditure in Head Office				
Lodging & Boarding		657,218.00	By Membership Fees	714.00
Agriculture Expenses		271,758.00		
Donation		703,364.00	By Misc. Income	41,770.00
Bank Charges		2,659.73		
			By Grant Received from Kamla Jal Swachtha Sansthan	5,000,000.00
To Capital Assets Purchases				
Alternator	4,200.00		By Fund Receivables from CAPART	82,914.00
Camera	35,300.00			
Computers	366,010.00		By Grant Receivables Ford Foundation	338.33
Cycles	6,050.00			
Engine	30,500.00		By Amount Transfer from FDR	600.00
Furniture	105,362.00			
Instruments	7,730.00		By Excess of Expenditure over Income	686,970.21
Land & Building	10,127,184.00			
LCD Projector	40,000.00			
Motor Cycle	87,542.00			
Photocopiers	48,382.00			
Solar Panel	81,503.00			
Survey Equipments	13,968.00			
Sewing Machine	6,000.00			
Tractor & Cultivators	4,550.00	10,964,281.00		
To CAPART Training Expenses		125,414.00		
To Kamla Jal Swachtha Project Expenditure		295,770.00		
To Unutilised Grant to be Utilised in Next Year (s)		7,917,445.62		
		34,417,614.37		**34,417,614.37**

As per our report of even date.

For Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

(A.K.Goyal)
Proprietor
Place : Jaipur
Date :

For Tarun Bharat Sangh

Secretary

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS ON TO 31.03.2007

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS		AMOUNT
General Fund			Fixed Assets		
Opening Balance	27,930,322.52		(As per Annexure " A ")		36,489,240.32
Add : Assets purchases during the year	10,964,281.00		Advance Given		
	38,894,603.52		(As per Annexure " B ")		1,010,420.00
Less: Excess of Expenditure Over Income	686,970.21		Fixed Deposit		
Assets Donate to Jal Biradari	60,000.00	38,147,633.31	Opening Balance	15,839,200.00	
			Add : FDR Made during the year	720,000.00	
Endowment Fund				16,559,200.00	
Opening Balance	15,839,200.00		Less: FDR Renewed by shorter amount	600.00	16,558,600.00
Add : FDR Made during the year	720,000.00		Advance Against Rent		1,044,009.00
	16,559,200.00		Advance Against Land Purchases		2,200,000.00
Less: FDR Renewed by shorter amount	600.00	16,558,600.00	Fund Receivables from CAPART		82,914.00
Unutilised Grant to be Utilised in Next Year (s)			Grant Receivables		
SIDA	4,302,686.62		Ford Foundation		338.33
Kamla Jal Swachtha Project	3,614,759.00	7,917,445.62	Cash in Hand		
M/s Kumar & Co.		63,833.00	Local	31,286.00	
Loan from Rajasthan Bank		7,863,916.00	FCRA	125,326.00	156,612.00
			Cash at Bank & FDRs		
			Raj.Bank , Jaipur (FCRA)	901,636.29	
			Raj.Bank , Jaipur (Local)	6,538,129.00	
			Alwar Bharatpur Gramin Anchalik Bank		
			A/c no. 764	67,926.27	
			A/c no. 2459	1,119.00	
			PNB , Umarain	148.00	
			SBBJ - Thanagaji	671.67	
			Arawali Kshetriya Gramin Bank Gadmora (3123)	507.00	
			Centurion bank	552,838.05	
			FDR (ABGAB)	866,739.00	
			FDR (Raj.Bank)	4,000,000.00	
			Syndicate Bank	79,580.00	13,009,294.28
		70,551,427.93			70,551,427.93

Notes of accounts as per annexure "C"
As per our report of even date.
For Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

(A.K.Goyal)
Proprietor
Place : Jaipur
Date :

For Tarun Bharat Sangh

Secretary

मुख्य घटनाक्रम

इस वर्ष संस्था में मुख्य घटनाएं हुईं, उनका विवरण :

- ✧ 6-7 जून को तरुण भारत संघ परिसर में अरवरी संसद का 16वां अधिवेशन किया गया ।
- ✧ 13 जुलाई को तरुण जल विद्यापीठ का भवन अलवर सरकारी तंत्र ने राजनैतिक षड्यंत्र के कारण विध्वंस किया ।
- ✧ 15 जुलाई को केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री प्रोफेसर श्री सैफुद्दीन सोज़ साहब संस्था के कार्यक्षेत्र सरसा नदी के नांगलदासा गांव में आए । गांव में जल संरक्षण के कार्य देखें और जल संरक्षण करने वालों के साथ बातचीत की ।
- ✧ 31 जुलाई को शराब की कंपनियां बन्द कराने के लिए उच्च न्यायालय, जयपुर में याचिका दायर की ।
- ✧ 11 सितम्बर को श्री देवी प्रसाद मिश्रा, पर्यटन एवं आबकारी मंत्री (उड़ीसा) का सम्मान किया । मंत्री ने जल संरक्षण के कार्यों को देखा और अरवरी सांसदों से जल संरक्षण के बारे में जानकारी ली ।
- ✧ 2 अक्टूबर को तरुण भारत संघ परिसर में ग्राम सभा सम्मेलन हुआ, जिसमें 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया था । मुख्य अतिथियों में अलवर के स्वतंत्रता सेनानी श्री शान्तिस्वरूप डाटा जी, सुरेश पंडित, संस्था के उपाध्यक्ष श्री गुरुदास अग्रवाल जी अन्य अतिथि थे । इस शुभ अवसर पर अरवरी संसद पर बनाई गई पुस्तक 'अरवरी संसद' और 'जल मणिका' का विमोचन किया गया ।
- ✧ 18-31 अक्टूबर से 'जोहड़ बनाओ-पानी बचाओ' पदयात्रा शुरू की गई ।
- ✧ 6 नवंबर से 9 नवंबर तक सीडा द्वारा नियुक्त अंकेक्षकों द्वारा लेखे जांचे गए ।
- ✧ 1 नवम्बर से 13 नवंबर तक अरवरी क्षेत्र में सरकारी, गैर सरकारी स्कूलों में अरवरी की जानकारी दी गई ।
- ✧ 26 से 28 नवंबर तक सीडा के हैड ऑफ सीडा कार्ल गुस्ताफ और प्रोग्राम अधिकारी रमेश मुक्कला द्वारा संस्था कार्यों को देखा, लोगों के साथ बैठकें की गईं ।
- ✧ 2 दिसम्बर से 6 दिसम्बर तक दमन सिंह ने कार्यक्षेत्र में रह कर संस्था के कार्यों को देखा-समझा ।
- ✧ 30 -31 दिसंबर को अरवरी संसद का 17वां सम्मेलन हुआ ।
- ✧ 27-30 जनवरी 2007 गांधी दर्शन राजघाट पर जल-जोड़ो सम्मेलन का आयोजन किया गया ।
- ✧ 26 फरवरी को न्यायालय द्वारा याचिका को स्वीकारा गया ।
- ✧ 9 मार्च को शराब की कंपनियों को न्यायालय ने पाबन्द करते हुए स्टे लगा दिया ।
- ✧ 22 मार्च 'विश्व जल दिवस' पर गांधी स्मृति बिड़ला भवन में 30 जनवरी को मार्ग पर जल साक्षरता सम्मेलन किया गया जिसमें केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में आए थे तथा दिल्ली जल बिरादरी के सदस्य भी सम्मेलन में रहे ।

❑❑❑

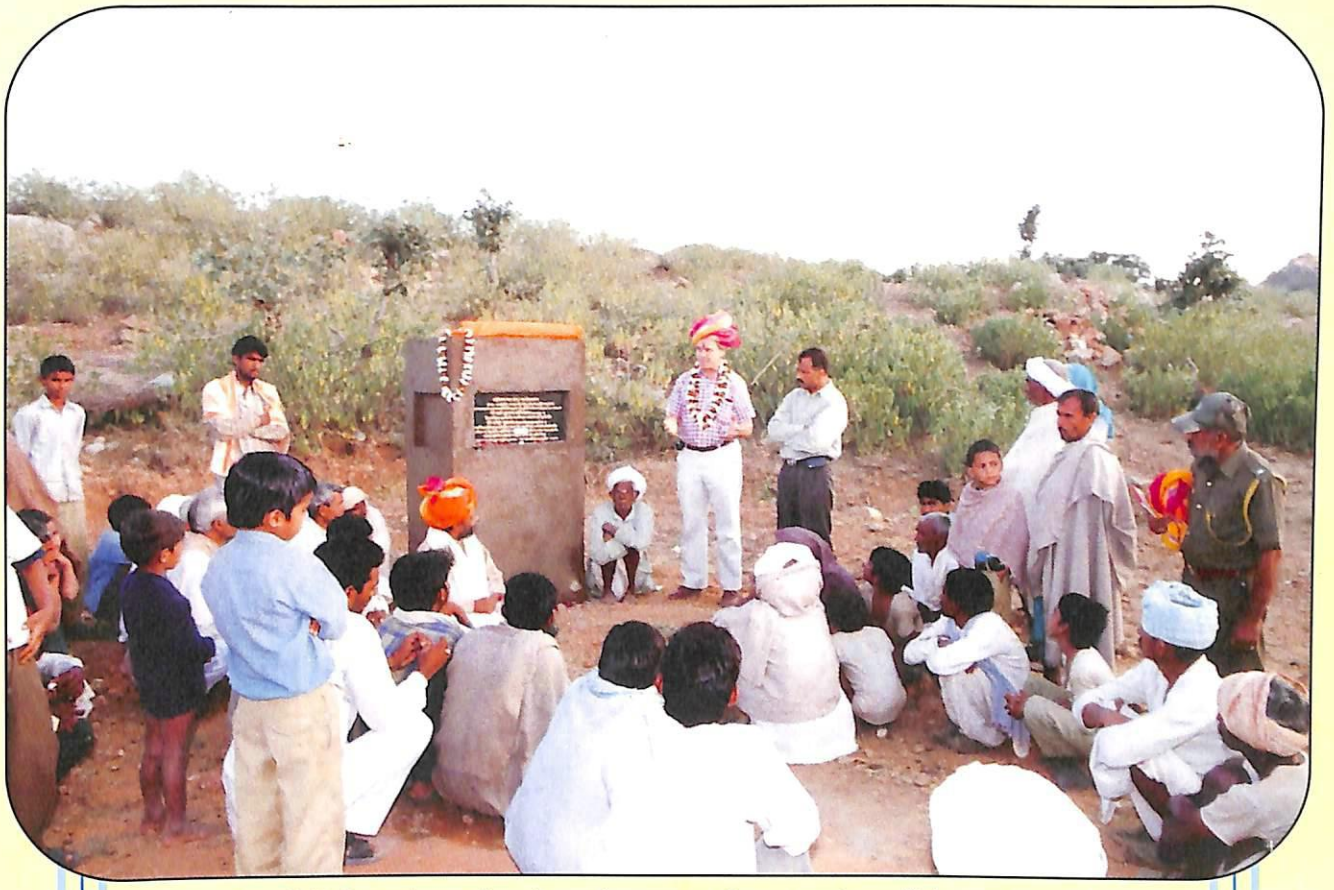

सीडा के प्रतिनिधि काउंसलर हैड श्री कार्ल गुस्ताफ सविन्सन ग्रामीणजनों से बातचीत करते हुए

तभासं के कार्यों का अवलोकन व ग्रामीणों के साथ बातचीत करती हुई दमन सिंह

जल बिरादरी कर्नाटक द्वारा आयोजित जल संरक्षण पर जन जागृति पदयात्रा में भाग लेते हुए गणमान्य

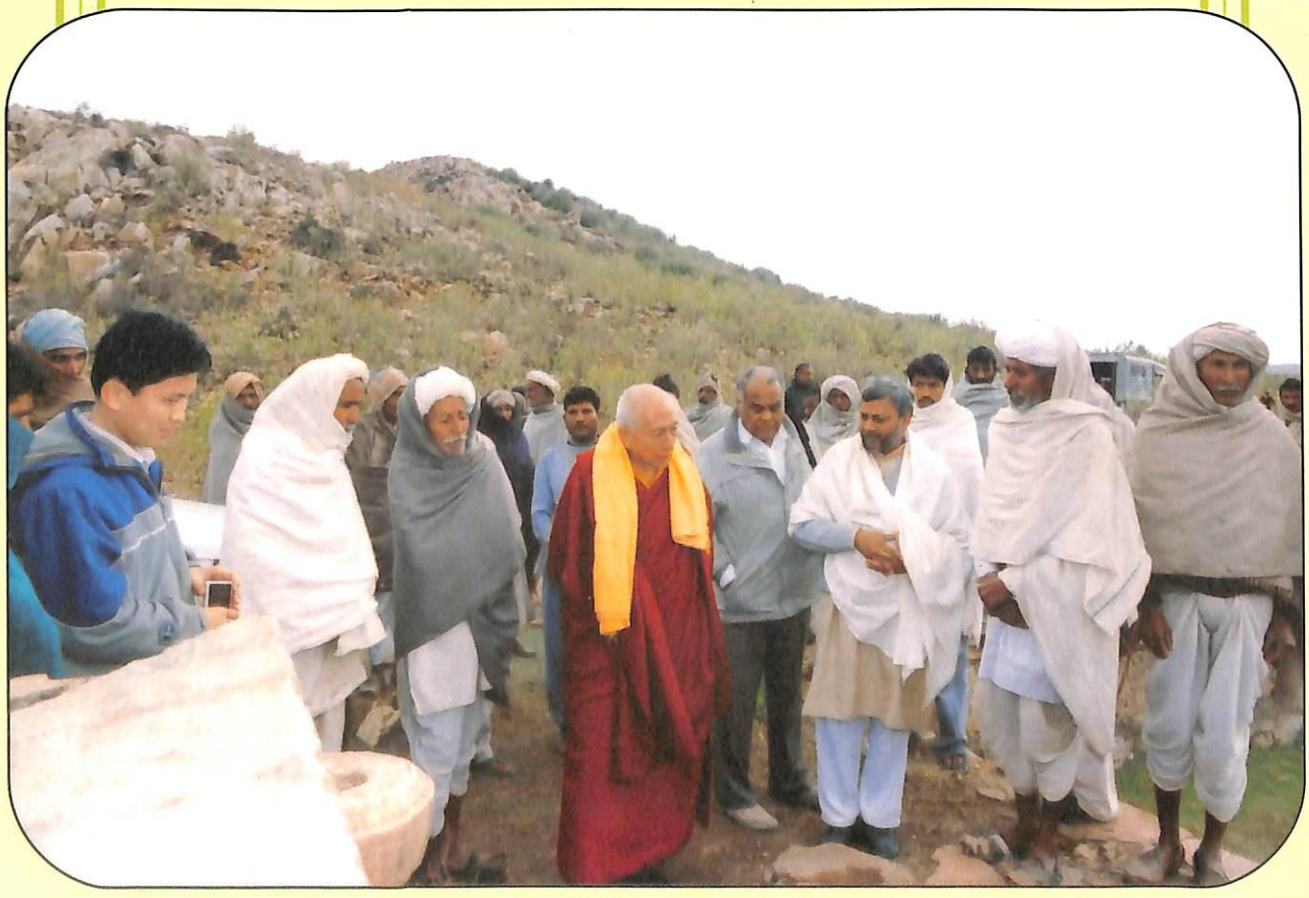

तिब्बत के मनोनीत प्रधान मंत्री रिंगपोंचे तभासं के कार्यक्षेत्र में ग्रामीणों से बातचीत करते हुए

Designed & Printed at Kumar & Company, Jaipur